प्रधान संपादक

हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

सत्य शिला

Title Code UPHIN 40062

वर्ष : 06 अंक : 09 | लखनऊ, मंगलवार 28 अप्रैल 2026 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 5/ रूपया

संक्षिप्त खबरें

रुपया शुरुआती कारोबार में 11 पैसे टूटकर 94.27 प्रति डॉलर पर

एजेंसी

मुंबई। रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में 11 पैसे टूटकर 94.27 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। अमेरिकी डॉलर की निरंतर मांग और सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर व्यापक रुझान से घरेलू मुद्रा दबाव में है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, डॉलर के मुकाबले 94.25 पर खुला। फिर टूटकर शुरुआती कारोबार में 94.27 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 11 पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 94.16 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.09 प्रतिशत की गिरावट के साथ 98.44 पर रहा। घरेलू शेयर बाजारों में सेंसेक्स शुरुआती कारोबार 518.96 अंक या 0.68 प्रतिशत चढ़कर 77,183.17 अंक पर जबकि निफ्टी 131.30 अंक या 0.55 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,029.25 अंक पर रहा। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड का भाव 1.16 प्रतिशत चढ़कर 106.55 डॉलर प्रति बैरल रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) शुक्रवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने 8,827.87 करोड़ रुपए के शेयर बेचे।

हैदराबाद एयरपोर्ट को मिली बम से उड़ाने की धमकी, जांच के बाद ईमेल निकला फर्जी

एजेंसी

हैदराबाद। हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (आरजीआईए) पर सोमवार को उस समय अफरा–तफरी मच गई जब एयरपोर्ट प्रशासन को एक अज्ञात ईमेल मिला। इस ईमेल में हवाई अड्डे को बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। वहीं सूचना मिलते ही सुरक्षा बलों ने पूरे परिसर में हाई अलर्ट जारी कर दिया। जिसके बाद एयरपोर्ट अधिकारियों को मिले इस धमकी भरे ईमेल में दावा किया गया था कि परिसर के अंदर विस्फोटक रखा गया है और जल्द ही वहां बड़ा धमाका होगा। सुरक्षा की दृष्टि से संवेदनशील होने के कारण अधिकारियों ने बिना देरी किए सुरक्षा एजेंसियों और पुलिस को सूचित किया। पुलिस और सुरक्षा बलों ने तुरंत मोर्चा संभाला। बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वायड की मदद से पूरे टर्मिनल, पार्किंग एरिया और वेटिंग हॉल की गहन जांच की गई। एहतियात के तौर पर यात्रियों की सुरक्षा जांच भी बढ़ा दी गई जिससे कुछ समय के लिए हवाई अड्डे पर तनावपूर्ण माहौल बना रहा। कई घंटों की मशक्कत और बारीकी से की गई जांच के बाद पुलिस ने राहत की सांस ली।

मातम में बदलीं खुशियां, ट्रक से टकराई बारात से लौट रही कार, 5 लोगों की मौत, 7 घायल

एजेंसी

नर्मदापुरम। मध्यप्रदेश के नर्मदापुरम जिले से एक हृदयविदारक घटना सामने आई है। रविवार और सोमवार की दरमियानी रात एक भीषण सड़क हादसे में पांच लोगों की जान चली गई जबकि सात अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा माखननगर थाना क्षेत्र के आंचलखेड़ा के पास हुआ जब खुशियों से भरी एक बारात घर वापस लौट रही थी।

बैरकपुर रैली में गरजे पीएम मोदी, कहा, अंग-बंग-कलिंग देश की समृद्धि का आधार, 4 मई के बाद फिर आऊंगा बंगाल

एजेंसी

बैरकपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को बैरकपुर में विजय संकल्प रैली को संबोधित करते हुए कहा कि जब भारत समृद्ध था, तब अंग, बंग और कलिंग क्षेत्र देश की शक्ति और समृद्धि के मुख्य आधार थे। आज भी इन क्षेत्रों को मजबूत बनाने से ही देश विकसित भारत बन सकता है।पीएम मोदी ने कहा कि बंगाल की जनता के साथ उनका गहरा भावनात्मक जुड़ाव है। यहां के लोग उन्हें परिवार की तरह अपनाते हैं। उन्होंने घोषणा की, 4 मई को चुनाव के नतीजे आने के बाद भाजपा की शपथ ग्रहण समारोह में मैं फिर बंगाल आऊंगा।९ प्रधानमंत्री ने बैरकपुर की ऐतिहासिक भूमिका का जिक्र करते हुए कहा कि यह जगह 1857 के स्वतंत्रता संग्राम का महत्वपूर्ण केंद्र रही है और आज भी परिवर्तन की नई ऊर्जा का स्रोत बनी हुई है। उन्होंने बताया कि राजनीति में आने के बाद उन्होंने कभी समय या मौसम नहीं देखा, सिर्फ जनता की सेवा को प्राथमिकता दी।रैली में पीएम मोदी ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि टीएमसी ने अपने पुराने नारे मां–माटी–मानुष को भुला दिया है। राज्य में महिलाओं की सुरक्षा और किसानों की समस्याओं पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि टीएमसी के राज में सिंडिकेट की फैक्टरियां चल रही हैं और यह महा जंगलराज है। मोदी ने जोर देकर कहा कि इस बार का पश्चिम बंगाल चुनाव सिर्फ बंगाल का नहीं, बल्कि पूरे पूर्वी भारत के भविष्य को तय करेगा। उन्होंने कहा, टीएमसी के पास बंगाल के विकास का कोई रोडमैप नहीं है। हमें टीएमसी को हराना ही होगा और यहां जनता जनार्दन का राज स्थापित करना होगा। अपने संबोधन के अंत में प्रधानमंत्री ने भावुक होते हुए कहा कि बंगाल की सेवा करना, उसे चुनौतियों से बचाना और उसे मजबूत बनाना उनका कर्तव्य है। वे इस जिम्मेदारी से कभी पीछे नहीं हटेंगे।उन्होंने याद दिलाया कि यही बंगाल डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की राजनीतिक नींव वाला क्षेत्र है, जिनकी प्रेरणा से भाजपा आगे बढ़ रही है। अनुच्छेद 370 हटाना भी उन्हीं के एक संकल्प को पूरा करना था।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने उपराज्यपाल से की मुलाकात, विभिन्न मुद्दों पर की चर्चा

एजेंसी

नयी दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू से सोमवार को यहां मुलाकात कर राष्ट्रीय राजधानी में विकास परियोजनाओं और प्रशासनिक समन्वय से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में उपराज्यपाल के साथ हुई मुलाकात को शिष्टाचार भेंट बताते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की सरकार दिल्ली के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। उन्होंने कहा, आज माननीय उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू जी से शिष्टाचार भेंट की। दिल्ली में चल रही प्रमुख विकास परियोजनाओं, जनहित कार्यों और प्रशासनिक समन्वय से जुड़े विभिन्न विषयों पर सार्थक चर्चा हुई। गुप्ता ने कहा कि सरकार दिल्ली के सर्वांगीण विकास, बेहतर नागरिक सुविधाओं और प्रगति कार्यों को तेज गति से आगे बढ़ाने के लिए निरंतर समन्वय और प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उपराज्यपाल कार्यालय ने एक्स पर अपने आधिकारिक पेज पर एक पोस्ट में गुप्ता की संधू के साथ मुलाकात की तस्वीरों को पोस्ट करते हुए लिखा कि मुख्यमंत्री ने लोक निवास में उपराज्यपाल से मुलाकात की।

एससीओ बैठक में हिस्सा लेंगे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, किर्गिजस्तान के बिश्केक में करेंगे भारत का प्रतिनिधित्व

एजेंसी

नयी दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मंगलवार को किर्गिजस्तान के बिश्केक में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के रक्षा मंत्रियों की बैठक में एक उच्च–स्तरीय भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। बैठक के दौरान विभिन्न सदस्य देशों के रक्षा मंत्री क्षेत्र की रक्षा एवं सुरक्षा से जुड़े अनेक मुद्दों पर विचार–विमर्श करेंगे। अंतरराष्ट्रीय शांति, आतंकवाद–रोधी प्रयासों तथा एससीओ सदस्य देशों के बीच रक्षा सहयोग से संबंधित विषयों पर भी चर्चा की जाएगी। इस वर्ष की एससीओ बैठक पश्चिम एशिया की स्थिति के कारण उत्पन्न हो रही भू–राजनीतिक अस्थिरता की पृष्ठभूमि में आयोजित हो रही है। क्षेत्र के सबसे बड़े राजनीतिक एवं आर्थिक संगठनों में से एक एससीओ इस संघर्ष के प्रभाव को कम करने के उपायों पर भी चर्चा कर सकता है। रक्षा मंत्री वैश्विक सुरक्षा चुनौतियों के बीच वैश्विक शांति के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को रेखांकित करेंगे और आतंकवाद एवं उग्रवाद को कतई बर्दाश्त न करने के भारत के दृढ़ रुख को दोहराएंगे। बैठक के दौरान श्री सिंह कुछ भाग लेने वाले देशों के अपने समकक्षों के साथ द्विपक्षीय वार्ता भी कर सकते हैं। एससीओ एक अंतर–सरकारी संगठन है, जिसकी स्थापना 15 जून, 2001 को चीन के शंघाई में हुई थी। इसके सदस्य देशों में भारत, रूस, चीन, कजाखघ्स्तान, किर्गिजस्तान, पाकिस्तान, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान, ईरान और बेलारूस शामिल हैं। भारत 2017 में इसका पूर्ण सदस्य बना और 2023 में इसकी अध्यक्षता संभाली।

राघव चड्ढा के मुंबई आवास पर आप का प्रदर्शन, काले झंडे दिखाए, पुलिस ने 8 नेताओं पर दर्ज की एफआईआर

एजेंसी

मुंबई। मुंबई में आम आदमी पार्टी (आप) के नेताओं और कार्यकर्ताओं द्वारा राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा के घर के बाहर किए गए विरोध प्रदर्शन के खिलाफ पुलिस ने एक्शन लेते हुए कई लोगों को हिरासत में लिया। साथ ही आठ से अधिक व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। राघव चड्ढा ने आप के अन्य 6 राज्यसभा सांसदों को साथ लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का दामन थाम लिया है। इसी नाराजगी में मुंबई स्थित उनके घर के सामने आम आदमी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं द्वारा विरोध प्रदर्शन किया जा रहा था। विरोध प्रदर्शन के दौरान गद्दार राघव चड्ढा जैसे नारे लगाए। माहौल बिगड़ता देख खार पुलिस स्टेशन की टीम मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने कुछ समय बाद हिरासत में लिए गए लोगों को नोटिस देकर छोड़ दिया। पुलिस ने इस घटना में आठ से अधिक आप नेताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। यह मामला भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज किया गया है, साथ ही महाराष्ट्र पुलिस एक्ट की धाराएं भी लगाई गई हैं। यह पूरा विवाद पिछले हफ्ते हुए एक बड़े राजनीतिक बदलाव के बाद सामने आया है, जब राघव चड्ढा समेत आप के सात राज्यसभा सांसदों ने पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल होने की घोषणा की थी। यह कदम व्यक्तिगत दलबदल नहीं, बल्कि सामूहिक रूप से पार्टी बदलना बन गया। इस तरह का कदम भारत के दलबदल विरोधी कानून के हिसाब से काफी महत्वपूर्ण माना जाता है। आम आदमी पार्टी के पास राज्यसभा में कुल 10 सांसद थे। इनमें से सात सांसदों के एक साथ जाने से दो–तिहाई का आंकड़ा पार हो गया, जिससे वे दलबदल कानून के तहत अपनी सदस्यता बचाने सफल रहे। इस पूरे मुद्दे ने केवल पार्टी के अंदर ही नहीं बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी चर्चा शुरू कर दी है। पहले भी दलबदल कानून में सुधार की बातें उठती रही हैं, और खास बात यह है कि खुद राघव चड्ढा भी ऐसे कुछ सुधार प्रस्तावों का समर्थन कर चुके थे।

अजहरुद्दीन की विधायकी पक्की, तेलंगाना के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री ने ली एमएलसी पद की शपथ

एजेंसी

हैदराबाद। तेलंगाना के मंत्री मोहम्मद अजहरुद्दीन और सेवानिवृत्त प्रोफेसर एम. कोदंडराम ने राज्यपाल के कोटे से विधान परिषद के सदस्य (एमएलसी) के रूप में आज शपथ ली। तेलंगाना विधान परिषद के अध्यक्ष गुथा सुखेन्द्र रेड्डी ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी, उनके मंत्रिमंडल के सहयोगियों और अन्य नेताओं की उपस्थिति में दोनों को शपथ दिलाई। शपथ लेने के बाद पत्रकारों से बातचीत में पूर्व क्रिकेटर अजहरुद्दीन ने कांग्रेस नेताओं मल्लिकार्जुन खरगे, सोनिया गांधी, राहुल गांधी, मुख्यमंत्री रेड्डी और राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल का आभार व्यक्त किया। अजहरुद्दीन ने कहा कि मुख्यमंत्री अल्पसंख्यकों के कल्याण के लिए कई उपाय कर रहे हैं और वह मंत्री के रूप में उनके और समाज के अन्य वर्गों के लिए काम करना चाहेंगे। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने आरोप लगाया था कि उन्हें पिछले साल जुबली हिल्स उपचुनाव में मुस्लिम वोट हासिल करने के लिए मंत्री बनाया गया था और उन्हें इस पद पर बरकरार नहीं रखा जाएगा। इन आरोपों पर अजहरुद्दीन ने कहा कि एमएलसी के रूप में उनका नामांकन ऐसी टिप्पणियों के लिए एक तमाचे की तरह है और मुख्यमंत्री रेड्डी अल्पसंख्यकों के विकास के लिए कई कार्यक्रम चला रहे हैं। जब उन्हें बताया गया कि अगर राज्यपाल ने अप्रैल के अंत तक उनके नामांकन को मंजूरी नहीं दी होती तो उन्हें मंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ता, इस पर अजहरुद्दीन ने कहा कि उन्हें मुख्यमंत्री रेड्डी के नेतृत्व पर पूरा भरोसा है। वहीं कोदंडराम ने कहा कि वह जनता के कल्याण के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम करेंगे। राज्यपाल शुक्ला ने 26 अप्रैल को राज्यपाल के कोटे के तहत अजहरुद्दीन और कोडंडाराम को एमएलसी के लिए मनोनीत किया। राज्यपाल ने सरकारी आदेश के अनुसार तेलंगाना विधान परिषद के सदस्यों के रूप में उनके नामांकन को मंजूरी दे दी।

भारत-न्यूजीलैंड ने मुक्तव्यापार समझौते पर किए हस्ताक्षर, कई सामानों पर ड्यूटी घटकर हुई जीरो

एजेंसी

नयी दिल्ली। प्रमुख उद्योग संगठन एसोचैम ने सोमवार को भारत–न्यूजीलैंड व्यापार परिषद (आईएनजेडबीसी) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इसका उद्देश्य भारत–न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के तहत उद्योगों से जुड़े कदमों को व्यवस्थित रूप से लागू करना और दोनों देशों के व्यवसायों को इस समझौते से मिलने वाले अवसरों का पूरा लाभ दिलाना है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, आने वाले वर्षों में भारत और न्यूजीलैंड के बीच साझेदारी की पूरी क्षमता को हासिल करने के लिए बेहतर कनेक्टिविटी और लोगों के बीच संबंधों को मजबूत करना बहुत महत्वपूर्ण होगा। उद्योग संगठन ने कहा कि व्यापार और उद्योग संस्थाओं के बीच बढ़ता सहयोग दोनों देशों के बीच व्यापार को आसान बनाएगा और प्रक्रियाओं में आने वाली बाधाओं को कम करेगा। साथ ही, बेहतर हवाई संपर्क और पर्यटन सहयोग आर्थिक साझेदारी को और मजबूत करेगा। 22 दिसंबर 2025 को सिर्फ नौ महीनों में पूरा हुआ यह एफटीए और सोमवार को हस्ताक्षरित समझौता, दोनों देशों के संबंधों को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। वर्तमान में दोनों देशों के बीच वस्तुओं का व्यापार लगभग 1.3 अरब डॉलर और सेवाओं का व्यापार 634 मिलियन डॉलर है, जिसे अगले पांच वर्षों में 5 अरब डॉलर तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है। न्यूजीलैंड में लगभग 3 लाख भारतीयों का समुदाय इस साझेदारी में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। बयान में कहा गया है कि वैश्विक स्तर पर व्यापार में अनिश्चितता और सप्लाई चेन में बदलाव के बीच यह समझौता इंडो–पैसिफिक क्षेत्र में भारत की रणनीतिक विविधता और मजबूत, समावेशी तथा भविष्य के लिए तैयार आर्थिक साझेदारी बनाने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

भाजपा ने आप को प्रॉक्सी की तरह इस्तेमाल किया, अब मुखौटा उतर गया : कांग्रेस

एजेंसी

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने सोमवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आम आदमी पार्टी को अतीत में उसके (कांग्रेस) खिलाफ प्रॉक्सी की तरह इस्तेमाल किया और अब ताजा घटनाक्रम से आप एवं अरविंद केजरीवाल का मुखौटा उतर गया है। पार्टी के कोषाध्यक्ष अजय माकन ने अपनी यह पुरानी बात फिर दोहराई कि दिल्ली में कांग्रेस का आम आदमी पार्टी को सहयोग करना एक गलती थी और 2024 के लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन सहयोगी दलों के दबाव में आप के साथ सीटों का तालमेल किया गया था। उन्होंने संवाददाताओं से बातचीत में यह भी कहा कि केजरीवाल की पार्टी ने धनकुबेरों को धन के आधार पर राज्यसभा भेजा और अब इसका नाम अरबपति आदमी पार्टी हो जाना चाहिए। माकन ने कटाक्ष किया कि जब धनकुबेरों को धन के आधार पर राज्यसभा देंगे तो यही हाल होगा जो अब हुआ है। उन्होंने कहा, आप छोड़ने वाले सातों राज्यसभा सदस्यों में से हर एक की घोषित औसत संपत्ति 818 करोड़, 50 लाख, 35 हजार और 420 रुपये है। उन्होंने आरोप लगाया, शीला दीक्षित और मनमोहन सिंह को बदनाम करने की साजिश केजरीवाल ने रची थी... उन्होंने और आम आदमी पार्टी ने भाजपा के प्रॉक्सी के रूप में काम किया था... अब मुखौटा उतर चुका है।

पश्चिम बंगाल के जगतदल में बवाल, तृणमूल और भाजपा कार्यकर्ता भिड़े, सीएपीएफ जवान समेत कई घायल

एजेंसी

कोलकाता। उत्तर 24 परगना के जगतदल में तृणमूल कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं के बीच हिंसक झड़प हुई है। इसमें एक सीएपीएफ जवान समेत कई लोग चोटिल हो गए। अधिकारियों ने इस घटना की पुष्टि की है। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना रविवार रात को हुई, जिसमें पत्थरबाजी, गोलीबारी और देसी बमों का इस्तेमाल किया गया। इस हिंसा में कम से कम तीन लोग घायल हो गए, जबकि केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) के एक जवान के पैर में गोली लग गई। अधिकारियों के अनुसार, यह झड़प एक पुलिस थाने के पास हुई। भाजपा कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया था कि जलेबी मठ मैदान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रैली के लिए लगाए गए पोस्टर और झंडे हटा दिए गए थे। जब कार्यकर्ता शिकायत दर्ज कराने पुलिस थाने पहुंचे, तो तृणमूल के समर्थक भी वहां जमा हो गए। इससे दोनों पक्षों के बीच बहस शुरू हो गई, जो जल्द ही हिंसा में बदल गई। घटनास्थल से सामने आए दृश्यों में देर रात अफरा–तफरी का माहौल दिखा। बड़ी संख्या में लोग एक–दूसरे को धक्का दे रहे थे और नारेबाजीकर रहे थे, जबकि हेलमेट पहने पुलिस और सुरक्षाकर्मी स्थिति को काबू करने की कोशिश कर रहे थे।

यूपी में पेट्रोलियम उत्पादों का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध

आपूर्ति पूरी तरह सामान्य, प्रतिदिन लगभग 8 लाख सिलेंडर की डिलीवरी की जा रही

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी सहित सभी पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य बनी हुई है और राज्य में पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। यह बयान इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, हिंदुस्तान पेट्रोलियम और भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन की ओर से सोमवार को संयुक्त रूप से जारी किया गया। बयान में कहा गया है कि प्रदेश में मजबूत बुनियादी ढांचे, सतत निगरानी व्यवस्था और प्रभावी समन्वय तंत्र के जरिए निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। वर्तमान में राज्य में कुल 13,168 रिटेल आउटलेट (ऑयल कंपनियां: 12,331 और निजीरू 863) तथा 28 सप्लाई लोकेशन संचालित हैं। यहां से प्रतिदिन लगभग 20 टीकेएल पेट्रोल (एमएस) और 33 टीकेएल डीजल (एचएसडी) की आपूर्ति की जा रही है। सभी पेट्रोल पंप सामान्य रूप से कार्यरत हैं और कहीं भी बिक्री पर कोई प्रतिबंध नहीं है। एलपीजी आपूर्ति की स्थिति भी पूरी तरह संतुलित बताई गई है। राज्य में 4,143 डिस्ट्रीब्यूटर और 36 बॉटलिंग प्लांट के माध्यम से करीब 4.88 करोड़ उपभोक्ताओं को सेवाएं दी जा रही हैं। डिस्ट्रीब्यूटर के पास औसतन 1.3 दिन का स्टॉक उपलब्ध है और प्रतिदिन लगभग 8 लाख सिलेंडर की डिलीवरी की जा रही है। साथ ही 6 दिन का बैकलॉग निर्धारित बुकिंग के अनुसार पूरा किया जा रहा है। प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि भारत सरकार के दिशा–निर्देशों के अनुसार कमर्शियल एलपीजी का 68 प्रतिशत आवंटन स्तर बनाए रखा गया है। अस्पतालों, औद्योगिक कैंटीन, होटल–रेस्तरां और अन्य आवश्यक सेवाओं को प्राथमिकता दी जा रही है, ताकि सुचारू वितरण सुनिश्चित किया जा सके। एलपीजी सेवाओं में डिजिटलीकरण को बढ़ावा देते हुए 94 प्रतिशत बुकिंग डिजिटल माध्यम से की जा रही है। वहीं 94 प्रतिशत मामलों में डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड (डीएसी) का अनुपालन सुनिश्चित किया गया है। उपभोक्ताओं से अपील की गई है कि वे डिजिटल माध्यम से ही बुकिंग करें और डिलीवरी के समय डीएसी साझा कर सुरक्षित एवं पारदर्शी व्यवस्था को मजबूत बनाएं। राज्य में करीब 21.55 लाख पीएनजी कनेक्शन उपलब्ध हैं और हाल के महीनों में 28,210 नए कनेक्शन जोड़े गए हैं। 44 जनपद सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (सीजीडी) नेटवर्क से आच्छादित हो चुके हैं। सरकार द्वारा वेरिएंट अनुमति, पाइपलाइन बिछाने के लिए फास्ट–ट्रैक क्लीयरेंस और स्थानीय प्रशासन के समन्वय से इस विस्तार को गति दी जा रही है, जिससे शहरी क्षेत्रों में एलपीजी सिलेंडरों पर निर्भरता कम होगी। अवैध जमाखोरी और कालाबाजारी पर सख्त कार्रवाई की जा रही है। अब तक 33,117 निरीक्षण किए गए, 1,271 सिलेंडर जब्त किए गए, 268 एफआईआर दर्ज हुईं और 22 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के तहत कार्रवाई जारी है। जनता से अपील की गई है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और जरूरत से ज्यादा खरीदारी या स्टॉक न करें। सरकार और तेल विपणन कंपनियां आश्वस्त करती हैं कि राज्य में आपूर्ति पूरी तरह स्थिर है और आम जनता को निर्बाध रूप से पेट्रोलियम उत्पाद उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

जनता दर्शन : सीएम योगी ने अधिकारियों को दिया निर्देश

कहा–संवेदनशील होकर समयसीमा के भीतर जनसमस्याओं को निराकरण कराएं

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा चुनाव प्रचार के आखिरी दिन प. बंगाल रवाना होने से पहले जनसेवा का संकल्प भी पूरा किया। मुख्यमंत्री ने सोमवार सुबह 'जनता दर्शन' में प्रदेश भर से आए फरियादियों की पीड़ा सुनी और अधिकारियों को संवेदनशील होकर जनता की समस्याओं के निराकरण का निर्देश दिया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार सुबह यहां जनता दर्शन में प्रदेशभर से आए फरियादियों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को संवेदनशील होकर समयसीमा के भीतर निराकरण के निर्देश दिए। जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने एक–एक फरियादी से मुलाकात कर प्रार्थना पत्र लिए। राजस्व व पुलिस से जुड़ी शिकायतों पर उन्होंने कहा कि हीलाहवाली नहीं चलेगी, समयसीमा में समाधान कर पीड़ित को सूचित करना होगा। कुछ फरियादियों के जनपद स्तर पर अधिकारियों से न मिलने को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि भीषण गर्मी में लखनऊ तक परेशान न हों, पहले अपने जनपद में तैनात अधिकारियों से मिलकर समस्या बताएं। बेतहाशा गर्मी में न हों परेशान 'जनता दर्शन' में आए कुछ फरियादियों से मुख्यमंत्री ने पूछा कि क्या जनपद में किसी अधिकारी से मिलकर आपने समस्या बताई? पता चला–नहीं, इस पर मुख्यमंत्री ने फरियादियों से कहा कि बेतहाशा गर्मी में आप परेशान न हों। पहले अपने जनपद

में तैनात अधिकारियों से पीड़ा बताएं। हर हाल में सुनवाई होगी और समस्या का यथोचित समाधान भी। मुख्यमंत्री ने सभी से अपील की कि धूप–गर्मी में अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें। योगी आदित्यनाथ ने भरोसा दिलाया कि हर हाल में सुनवाई होगी और यथोचित समाधान भी मिलेगा। उन्होंने लोगों से धूप–गर्मी में स्वास्थ्य का ध्यान रखने की अपील की। जनता दर्शन में परिजनों के साथ आए बच्चों को मुख्यमंत्री ने दुलारा। जनता दर्शन के बाद मुख्यमंत्री चुनाव प्रचार के लिए पश्चिम बंगाल रवाना हो गए।

महिलाओं ने पावर हाउस घेरा-ताला जड़ा

अधिकारी–कर्मचारी भागे, बोलीं– जबरन स्मार्ट मीटर लगाए, 3 गुना आ रहा बिजली बिल

लखनऊ। स्मार्ट मीटर से नाराज महिलाओं ने लखनऊ के इंदिरा नगर पावर हाउस को घेरकर हंगामा किया। गेट पर ताला जड़ दिया और असिस्टेंट इंजीनियर के चौम्बर में धरने पर बैठ गईं। महिलाओं का गुस्सा देखकर अधिकारी–कर्मचारी ऑफिस छोड़कर भाग गए। ऑल इंडिया डेमोक्रेटिक विमेंस एसोसिएशन (ऐडवा) की मधु गर्ग ने कहा– पुलिस की धमकी देकर जबरन स्मार्ट मीटर लगाए गए। अडानी की कंपनी को ठेका दिया गया। जहां पहले 500 रुपए महीने का बिजली बिल आता था। अब 1500 से 2000 तक बिजली का बिल आ रहा है। महिलाओं के घर का बजट बिगड़ गया है। स्मार्ट मीटर तुरंत हटाए जाएं। प्रदर्शनकारी महिलाओं ने करीब तीन घंटे तक ऑफिस घेरे रखा। मेन गेट पर ताला लगाकर किसी को भी अंदर आने से रोक दिया। बिजली कर्मचारियों ने प्रदर्शन कर रही महिलाओं से सम्पर्क कर एक्शन लेने का वादा किया। इसके बाद प्रदर्शन खत्म हुआ। संगठन की सदस्य महिलाएं बड़ी संख्या में दोपहर करीब एक बजे इंदिरा नगर सेक्टर– 25 स्थित पावर हाउस पहुंच गईं। यहां स्मार्ट मीटर के खिलाफ नारेबाजी और प्रदर्शन किया। संगठन की मधु गर्ग ने कहा– जबरदस्ती घरों में स्मार्ट मीटर

लगाए जा रहे हैं जो हमें स्वीकार नहीं है। जिन महिलाओं ने स्मार्ट मीटर लगाने से मना किया। उन्हें पुलिस बुलाने की धमकी दी गई। 10000 जुर्माना लगाने की बात कही गई। यह स्मार्ट मीटर अडानी कंपनी का है जो सिर्फ बिजली के नाम पर लोगों को परेशान करने के लिए है। स्मार्ट मीटर हमें स्वीकार नहीं है। जब तक हमारी मांग पूरी नहीं होगी। हम यहां से नहीं हटेंगे। स्मार्ट मीटर के नाम पर लोगों को गुमराह किया जा रहा है।

अखिलेश ने लगाया सपा कार्यकर्ताओं के उत्पीड़न का आरोप

कहा– गाजीपुर में पार्टी कार्यकर्ता के साथ जो हुआ, वह सरकार के इशारे पर हुआ

लखनऊ। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने सोमवार को गाजीपुर में पार्टी कार्यकर्ताओं के कथित उत्पीड़न का मुद्दा उठाते हुए आरोप लगाया कि यह कार्रवाई सरकार के इशारे पर की गई है, और इसमें भाजपा से जुड़े लोगों की भूमिका है। इसके साथ ही प्रदेश के मुख्यमंत्री रह चुके अखिलेश ने पीड़ित परिवार को पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की भी घोषणा की। अखिलेश ने एक पत्रकार वार्ता में कहा कि गाजीपुर में जो सपा कार्यकर्ता के साथ जो हुआ, वह सरकार के इशारे पर हुआ है और इसमें सरकारी अधिकारियों और भाजपा से जुड़े लोगों की भूमिका रही है। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा नहीं चाहती कि उनकी पार्टी पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक वर्गों के साथ खड़ी होकर उन्हें न्याय दिलायें। यादव ने बताया कि विश्वकर्मा समुदाय और पार्टी के सहयोग से धन जुटाकर पीड़ित परिवार को पांच लाख रुपये की आर्थिक मदद दी जाएगी। साथ ही, उन्होंने जानकारी दी कि मंगलवार को पूर्व मंत्री राम आसरे विश्वकर्मा और महिला सभा अध्यक्ष सीमा राजभर के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल पीड़ित परिवार से मुलाकात करेगा। गौरतलब है कि गाजीपुर में 15 अप्रैल को 17 वर्षीय किशोरी का शव गंगा नदी में मिला था। परिजनों ने यौन उत्पीड़न एवं हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस इस मामले में मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर आगे की जांच कर रही है। इससे पहले 22 अप्रैल को पीड़िता के परिवार से मिलने गए सपा प्रतिनिधिमंडल पर पथराव हुआ था, जिसमें पुलिसकर्मियों समेत कई लोग घायल हुए। पुलिस ने इस मामले में 10 लोगों को गिरफ्तार किया है।

ताजी ताड़ी की आड़ में परोसी जा रही 'जहर' की खुराक!

ताड़ी माफियाओं की बढ़ती सक्रियता से स्थानीय नागरिक परेशान
बीकेटी क्षेत्र में खुलेआम धड़ल्ले से बिक रही मिलावटी ताड़ी
जनप्रतिनिधियों ने जिला प्रशासन की लापरवाही पर उठाये सवाल

राममोहन

बीकेटी (लखनऊ) । राजधानी में इन दिनों नशीले पदार्थों की बिक्री चरम पर है। यहां आए दिन बड़े पैमाने पर गांजा पकड़ा जा रहा है। इसके साथ ही मानकों के विपरीत खुलेआम धड़ल्ले से जगह–जगह खुली दुकानों पर भांग के गोले और शराब बिकती नजर आ रही है। गौरतलब हो कि युवा पीढ़ी को नशे के दलदल में धकेलने वाले इन दबंग माफियाओं की पहुंच सत्ता तक होने की वजह से पुलिस भी इनका कुछ नहीं बिगाड़ पा रही है। ताजा मामला बक्शी का तालाब थाना क्षेत्र से सामने आया है। जहां कुछ दबंग माफियाओं द्वारा अवैध रूप से ताड़ी का कारोबार किये जाने की जानकारी मिली है। बीकेटी तहसील क्षेत्र के तमाम जनप्रतिनिधि जिनमें विनीत, रामदेव,राकेश कठेरिया,बबली गौतम,सुरेश और सियाराम ने संयुक्त रूप से बताया कि बीकेटी, इटौंजा और महिंगवां थाना क्षेत्र अंतर्गत कुछ दबंगों द्वारा अवैध रूप से ताड़ी बेची जा रही है,जबकि इन ताड़ी बेचने वालों के पास लाइसेंस तक नहीं है। वहीं,सेव समिति की सदस्य रीमा यादव ने बताया गया कि बीकेटी थाना क्षेत्र के बेहड़ा चक्की,सरसावा और इटौंजा के किशनपुर, करीमनगर पलिया दुघारा,इटौंजा कस्बा,महिंगवा,गोधन, सोनवा के एक दुनिया और इंदारा गांवों में खुलेआम आम के पेड़ों के नीचे अवैध रूप से ताजी ताड़ी के नाम पर जहरीली ताड़ी बेची जा रही है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि ताड़ी बेचने वाले उसमें नशीली गोलियों का पाउडर बनाकर मिलाते हैं जिससे ताड़ी जहरीली हो जाती है और इसे पीने वाले एक दम मदहोश हो जाते हैं और कई लोग तो बेहोश तक हो रहे हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि खुलेआम ताड़ी बिक्री पर तुरंत अंकुश नहीं लगाया गया तो बड़े पैमाने पर जनहानि हो सकती है। प्रातःकाल कमर के पीछे ताड़ी की मटकी लटकाकर ताड़ के पेड़ों पर चढ़ने–उतरने वाला व्यक्ति भले ही किसी कलाबाज जैसा प्रतीत होता हो,लेकिन ताड़ी पीने वाले यह नहीं जानते कि जिसे वह अमृत समझकर पी रहे हैं वह वास्तव में एक जहर बन चुका है। स्थानीय लोगों ने आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि यह नशीली ताड़ी यहां की युवा पीढ़ी को धीरे–धीरे नशे की गिरफ्त में ले रही है। इस संबंध में एक जनप्रतिनिधि का कहना है कि ताड़ के पेड़ों का लेखा–जोखा तहसील स्तर पर होता है भले ही पेड़ किसी किसान के खेत में लगा हो लेकिन उसे काटने का अधिकार किसान को नहीं होता।

लखनऊ विवि में फीस वृद्धि के विरोध में छात्रों का प्रदर्शन

कटोरा लेकर कैंपस में मांगी भीख, सिक्के बटोरकर प्रॉक्टोरियल बोर्ड को सौंपे

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में फीस वृद्धि के विरोध में छात्रों का प्रदर्शन कई दिनों से जारी है। सोमवार को एक बार फिर छात्र संगठन हुई। इससे पहले एसएफआई ने भी विश्वविद्यालय प्रशासन पर मनमानी करने का आरोप लगाते हुए फीस वृद्धि वापस लेने की बात कही थी।

एनएसयूआई और समाजवादी छात्रसभा से जुड़े छात्रों ने कैंपस में प्रदर्शन किया। इस बार उन्होंने कटोरा और प्लेट लेकर भीख मांगी। भीख में मिले सिक्कों को प्रॉक्टोरियल बोर्ड को सौंप दिया। हालांकि, सिक्के सौंपते समय उनकी बोर्ड सदस्यों से नोकझोंक भी एनएसयूआई और समाजवादी छात्रसभा से जुड़े छात्रों के गुट ने दोपहर 2 बजे अचानक गेट नंबर–1 के पास रास्ता रोककर प्रदर्शन शुरू कर दिया। इस दौरान वो कटोरा लेकर भीख मांगने लगे। अचानक से स्टूडेंट्स को भीख मांगते हुए देख बाकी स्टूडेंट्स हैरान रह गए। इस बीच लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी हुई। नारेबाजी बढ़ती देख मौके पर विश्वविद्यालय प्रशासन से जुड़े लोग भी पहुंचे। प्रॉक्टोरियल बोर्ड के सदस्यों ने जब भीख मांग रहे स्टूडेंट्स को रोकना चाहा, तो उन्हें विरोध का सामना करना पड़ा। जितने भी सिक्के प्रदर्शनकारी स्टूडेंट्स को मिले थे, उन्हें प्रॉक्टोरियल बोर्ड को सौंप दिया। प्रॉक्टोरियल बोर्ड से नोकझोंक के बाद स्टूडेंट्स गेट के बीचोंबीच धरने पर बैठ गए। छात्रों ने विश्वविद्यालय प्रशासन पर आरोप लगाते हुए कहा कि लाखों रुपए की फीस लेने के बावजूद छात्रों को दूषित पानी दिया जा रहा है। स्टूडेंट्स ने दावा किया कि कैंपस में पीने के पानी का टीडीएस स्तर 702 पाया गया है, जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है।

जयपुरिया इंस्टीट्यूट ने ग्रेजुएटिंग बैच को दिया भव्य फेयरवेल

लखनऊ। बॉलीवुड की चमक–दमक, संगीत और भावनाओं से भरे माहौल के बीच जैपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, लखनऊ ने अपने ग्रेजुएटिंग बैच के लिए बॉलीवुड थीम पर आधारित भव्य फेयरवेल "जश्न–ए–बॉलीवुड" का आयोजन किया ।संस्थान का ऑडिटोरियम रेड–कार्पेट एरीना में तब्दील हो गया, जहां छात्रों, फैकल्टी और स्टाफ ने मिलकर उत्सव और भावनाओं का अनूठा संगम देखा। यह आयोजन एक सफर के अंत और नए सफर की शुरुआत का प्रतीक बना ।कार्यक्रम में शानदार डांस परफॉर्मेंस, सजीव संगीत और रचनात्मक मंच प्रस्तुतियों ने बॉलीवुड मनोरंजन की जीवंत झलक पेश की। उत्साह अपने चरम पर तब पहुंचा जब डीजे नाइट में ग्रेजुएटिंग बैच ने अपने आखिरी कैंपस पलों को पूरे जोश और उल्लास के साथ जिया।

गोला शहर को जाम से आज़ादी का रोडमैप तैयार, कॉरिडोर संग चौड़ी सड़कों का खाका

सीडीओ अभिषेक कुमार, विधायक अमन गिरी ने उतारी जमीनी हकीकत, बाईपास से शहर में एंट्री होगी आसान

सीडीओ–विधायक सड़क पर उतरे, नापी हकीकत... अब शहर को मिलेगी रफ्तार की नई पहचान

लखीमपुर खीरी। छोटी काशी गोला गोकर्णनाथ अब जल्द ही संकरी गलियों और जाम के झंझट से राहत की ओर बढ़ता दिख रहा है। कॉरिडोर निर्माण के साथ शहर को नई रफ्तार देने के लिए प्रशासन ने बड़ा मास्टरस्ट्रोक चला है। गोला शहर में बढ़ते यातायात दबाव और श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए गोला गोकर्णनाथ में सड़कों के चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण की दिशा में सीडीओ अभिषेक कुमार ने अहम पहल की है। सीडीओ अभिषेक कुमार ने विधायक अमन गिरी और पीडब्ल्यूडी अफसरों के साथ खुद सड़कों पर उतरकर गोला शहर का मुआयना किया और चौड़ीकरण, सुदृढ़ीकरण व फोर लेन सड़क का ब्लूप्रिंट तैयार किया। निरीक्षण के दौरान सीडीओ और विधायक ने पीडब्ल्यूडी अधिकारियों के साथ मिलकर कई प्रमुख मार्गों के विकास का विस्तृत ब्लूप्रिंट तैयार किया। योजना के तहत वर्तमान में 7 मीटर चौड़े विकास चौराहे से खुटार मार्ग को चार लेन में विकसित किया जाएगा। इसके अलावा नानक चौकी से शिवम चौराहा, मिल गेट से विकास चौराहा, विकास चौराहे से तहसील और विकास चौराहे से गोला–शाहजहांपुर मार्ग को टू लेन विद पक्के शोल्डर के साथ बनाया जाएगा, जिससे यातायात सुगम और सुरक्षित हो सके। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने रेलवे, नगर पालिका क्षेत्र में आने वाले रेलवे स्टेशन और बस स्टेशन मार्ग के चौड़ीकरण व सुधार पर भी चर्चा की। इस संबंध में लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को रेलवे विभाग से समन्वय स्थापित कर आवश्यक एनओसी प्राप्त करने के निर्देश दिए गए हैं। शहर की तंग सड़कों और बढ़ते यातायात के दबाव को देखते हुए तैयार यह प्लान आने वाले दिनों में गोला के लिए गेमचेंजर साबित हो सकता है। अफसरों ने उन प्रमुख मार्गों को चिन्हित किया, जहां चौड़ीकरण की सबसे ज्यादा जरूरत है, ताकि श्रद्धालुओं और आमजन को सुगम आवागमन मिल सके। इसी के साथ एक और बड़ी राहत की तैयारी भी की गई है। सीडीओ, विधायक ने लखीमपुर–अलीगंज मार्ग को सीधे गोला शहर से जोड़ने के लिए नए बाईपास सड़क का भी चिन्हांकन किया है, प्रारंभिक सूचना के अनुसार यह चिन्हित बाईपास (राष्ट्रीय राजमार्ग 730 से गोला रेलवे ओवरब्रिज के पूर्व से दाहिने साइड निकट 135 राजमार्ग सीतापुर अलीगंज गोला तक) है।

उप्र : 2027 विधानसभा चुनाव की तैयारी की तेज

बसपा के पुराने चेहरों के सहारे पीडीए को मजबूत करने में जुटी सपा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी हलचल शुरू हो गई है। समाजवादी पार्टी (सपा) ने अपनी पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) रणनीति को मजबूत करने के लिए बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के पुराने और अनुभवी चेहरों को साथ जोड़कर नई राजनीतिक जमीन तैयार करनी शुरू कर दी है। पार्टी के सूत्रों की मानें तो समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव की अगुवाई में यह रणनीति 2027 के विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखकर बनाई जा रही है।

बसपा के पुराने नेताओं को सपा में लाना जरूरी

सपा के एक सांसद ने बताया कि पार्टी का मानना है कि बी आर अंबेडकर और कांशी राम की राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ाने के लिए बसपा के पुराने नेताओं को साथ लाना जरूरी है। इसी उद्देश्य से सपा लगातार ऐसे चेहरों को जोड़ रही है, जो कभी बसपा की जमीनी ताकत रहे हैं और सामाजिक समीकरणों की गहरी समझ रखते हैं। दरअसल, सपा की पीडीए रणनीति का मुख्य आधार यही पुराने बसपा नेता बन रहे हैं। इन नेताओं ने न केवल इस रणनीति को वैचारिक मजबूती दी है, बल्कि इसे जमीन पर उतारने में भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। इनमें इंद्रजीत सरोज, नसीमुद्दीन सिद्दीकी, लालजी वर्मा, रामअचल राजभर, त्रिभुवन दत्त और ददूदू प्रसाद जैसे प्रमुख नाम शामिल हैं, जिन्होंने बसपा संस्थापक कांशीराम के मिशन को आगे बढ़ाने में अहम योगदान दिया था।

अपने वोट बैंक तक नहीं पहुंच पा रही बसपा

समाजवादी पार्टी के सांसद ने नाम न जाहिर करने की शर्त पर बताया, ' सपा का लक्ष्य 2027 में सत्ता में वापसी करना है, क्योंकि वर्तमान समय में बसपा अपने पारंपरिक वोट बैंक तक प्रभावी ढंग से नहीं पहुंच पा रही है। ऐसे में सपा इस खाली स्थान को भरने की कोशिश कर रही है। अखिलेश यादव जी का पीडीए का फार्मूला इसी रणनीति का हिस्सा है।

सपा की ओर रुख कर रहे बसपा के पूर्व प्रत्याशी

पार्टी का मानना है कि ये नेता जमीनी स्तर पर जातीय समीकरणों को साधने में सक्षम हैं। हालांकि इस रणनीति के सकारात्मक संकेत 2024 के लोकसभा चुनाव में भी देखने को मिले, जहां सपा को बेहतर प्रदर्शन हासिल हुआ। यही वजह है कि पार्टी अब इस मॉडल को और विस्तार देने में जुटी है। पार्टी के सूत्रों के मुताबिक, बसपा के पूर्व प्रत्याशी और अन्य प्रभावशाली नेता जिनकी विचारधारा भाजपा से मेल नहीं खाती वे भी धीरे–धीरे सपा की ओर रुख कर रहे हैं। इससे साफ है कि आने वाले समय में प्रदेश की राजनीति में यह पीडीए फार्मूला और मजबूत होता दिख सकता है।

फिर बनेगी भाजपा की सरकार : अवनीश

हालांकि समाजवादी पार्टी की इस रणनीति को लेकर भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता अवनीश त्यागी ने कहा कि समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव चाहे जितने जतन कर लें लेकिन यूपी की जनता का विश्वास माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर बना हुआ है। 2027 के विधानसभा चुनाव में भी जनता भारी बहुमत से भाजपा की सरकार बनाएगी।

सड़क हादसे में युवक की मौत, दूसरा गंभीर रूप से घायल

बीकेटी (लखनऊ) । इटौंजा थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह महोना नहर के पास बाइक व डीसीएम में जोरदार टक्कर हो जाने से बाइक सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई तथा दूसरा व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो

गया जहां पर घायल व्यक्ति की लखनऊ ड्रामा सेंटर में इलाज किया जा रहा है टक्कर इतनी जोरदार थी की बाइक डीसीएम के नीचे जा घुसी और काफी दूर तक ट्रक के साथ रगड़ती चली गई। घटना की सूचना राहगीरों द्वारा पुलिस को दी गई। उक्त सूचना पर चौकी प्रभारी अरविन्द तिवारी मय पुलिस बल तत्काल मौके पर पहुंचे, जहां ट्रक संख्या UP 34 C 9129 एवं मोटरसाइकिल के बीच हुई टक्कर में मोटरसाइकिल सवार प्रशांत सिंह पुत्र उदयभान सिंह, उम्र करीब 25 वर्ष, निवासी बाहरगांव शिवरी, थाना इटौंजा, लखनऊ की मौके पर ही मृत्यु हो गई ।वहीं, दूसरे सवार वीरपाल सिंह पुत्र घनश्याम सिंह, उम्र करीब 30 वर्ष, निवासी माधवपुर मरपा, थाना इंटौजा, लखनऊ गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल को तत्काल नजदीकी अस्पताल भेजा गया, जहां से उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए ट्रामा सेंटर, केजीएमयू लखनऊ रेफर किया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है।

अयोध्या के नए DM कल संभालेंगे कार्यभार

शशांक त्रिपाठी (IAS) जिलाधिकारी (DM), बाराबंकी, उत्तर प्रदेश (17 जनवरी 2025 से)। शिक्षाः IIT कानपुर। यूपीएससी (UPSC) सफलताः 2015–16 बैच, अखिल भारतीय 5वीं रैंक। पूर्व पोस्टिंगः सीतापुर (सहायक मजिस्ट्रेट), रायबरेली (जॉइंट मजिस्ट्रेट), गोंडा (चीफ डेवलपमेंट ऑफिसर), और मुख्यमंत्री के विशेष सचिव। विशेष पहलः 2025 में बाराबंकी में छात्राओं को एक दिन के लिए डीएम बनाकर सशक्तिकरण को बढ़ावा दिया। उन्होंने जल भराव और साफ–सफाई के लिए पैदल निरीक्षण भी किया है। तेज तरार अधिकारी है।

बाराबंकी: त्रिवेदीगंज के मौलाबाद में पीपा पुल का भव्य उद्घाटन, विधायक दिनेश रावत का बड़ा ऐलान

बाराबंकी जनपद के त्रिवेदीगंज क्षेत्र अंतर्गत मौलाबाद में आज एक महत्वपूर्ण विकास कार्य के तहत पीपा पुल का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर

क्षेत्रीय भाजपा विधायक दिनेश रावत ने पूरे विधि–विधान के साथ नारियल फोड़कर और फीता काटकर पुल का लोकार्पण किया, जिसके साथ ही आमजन के लिए आवागमन भी शुरू कर दिया गया। कार्यक्रम का आयोजन मंडल अध्यक्ष सचिन वर्मा की अध्यक्षता में भव्य रूप से किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण, कार्यकर्ता और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। उद्घाटन के बाद क्षेत्र में उत्साह का माहौल देखने को मिला, क्योंकि इस पुल के बन जाने से स्थानीय लोगों को आवागमन में काफी सहूलियत मिलेगी। इस मौके पर विधायक दिनेश रावत ने मंच से बड़ा राजनीतिक बयान भी दिया। उन्होंने आगामी 2027 विधानसभा चुनाव को लेकर भरोसा जताते हुए कहा कि एक बार फिर प्रदेश में भाजपा सरकार बनेगी। उन्होंने जनता से अपील करते हुए कहा कि "आप लोग पुनः मुझे विधानसभा भेजें, ताकि क्षेत्र के विकास कार्यों को और गति दी जा सके।" विधायक ने यह भी ऐलान किया कि क्षेत्र में जितने भी पीपा पुल बनाए गए हैं, उन्हें भविष्य में स्थायी (पक्के) पुलों में परिवर्तित किया जाएगा, जिससे आवागमन की समस्या हमेशा के लिए खत्म हो सके। कुल मिलाकर, यह उद्घाटन कार्यक्रम जहां एक ओर विकास की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है, वहीं दूसरी ओर 2027 चुनाव को लेकर सियासी संदेश भी साफ तौर पर देखने को मिला।

रामसनेहीघाट-हैदरगढ़ मार्ग का शिलान्यास, 63 करोड़ से 18 किमी सड़क होगी चौड़ी

बाराबंकी। रामसनेहीघाट–हैदरगढ़ मार्ग के चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण कार्य का रविवार को विधिवत शिलान्यास किया गया। नगर पंचायत रामसनेहीघाट के भिटरिया चौराहे पर आयोजित कार्यक्रम में खाद्य एवं रसद राज्यमंत्री सतीश चंद्र शर्मा ने पूजा–अर्चना के बाद शिलापट्ट का अनावरण कर कार्य का शुभारंभ किया। भिटरिया से हैदरगढ़ तक करीब 18 किलोमीटर लंबे इस मार्ग के लिए 63 करोड़ रुपये की लागत स्वीकृत की गई है। शिलान्यास कार्यक्रम में क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि, पार्टी कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे। अपने संबोधन में राज्यमंत्री सतीश शर्मा ने कहा कि यह मार्ग क्षेत्र की "जीवनरेखा" है, जिस पर दिन–रात भारी और हल्के वाहनों

का आवागमन रहता है। सड़क के चौड़ीकरण से जाम और दुर्घटनाओं में कमी आएगी, साथ ही व्यापारिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में मजबूत सड़क नेटवर्क तैयार करना है। इसी दिशा में इस मार्ग को प्राथमिकता के आधार पर विकसित किया जा रहा है, जिससे क्षेत्र के आर्थिक विकास को नई गति मिलेगी।

बाराबंकी के हैदरगढ़ में नवागत जिलाधिकारी ईशान प्रताप सिंह ने आज औचक निरीक्षण कर प्रशासनिक हलचल तेज कर दी है। जिलाधिकारी ओहरामऊ और नगर पंचायत हैदरगढ़ पहुंचे, जहां उन्होंने जल जीवन मिशन के अंतर्गत कराए गए कार्यों और निर्मित पानी की टंकी का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कई जगहों पर अव्यवस्थाएं मिलने पर जिलाधिकारी नाराज नजर आए। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को फटकार लगाते हुए व्यवस्थाओं को तत्काल दुरुस्त करने के सख्त निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने साफ कहा कि जनहित से जुड़े कार्यों में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी, और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल इस कार्रवाई के बाद प्रशासनिक अमले में हड़कंप मचा हुआ है।

बंगाल के किस जिले में कितना मतदान

दक्षिण दिनाजपुर : 93.12%
कूचबिहार : 92.07%
वीरभूम : 91.55%
जलपाईगुड़ी : 91.20%
मुर्शिदाबाद : 91.36%
पश्चिमी मेदिनीपुर : 90.70%
झारग्राम : 90.53%
बांकुरा : 89.91%
उत्तर दिनाजपुर : 89.74%
मालदा : 89.56%
पुरुलिया : 87.53%
दार्जिलिंग : 86.49%
कालिम्पोंग : 81.98%
पूर्वी मेदिनीपुर : 88.55%
अलीपुरद्वार : 88.74%
पश्चिम बर्द्धमान : 86.89%

शासन से स्कूलों का समय बदला गया

लखनऊ। भीषण गर्मी को देखते हुए शासन ने परिषदीय विद्यालयों के समय में परिवर्तन किया है स परिषदीय विद्यालयों में प्रातः 7:30 बजे से 12:30 बजे तक पठन–पाठन कार्य होगा स तथा अध्यापकों के लिए 1:30 बजे तक विद्यालय खुला रहेगा।

गोंडा के डेहरास में चली गोली

गोंडा –जिला पंचायत सदस्य के पति को मारी गई गोली,थाना परसपुर के डेहरास में गोलीकांड की घटना से हड़कंप,चुनावी रंजिश में मारी गोली, हालत नाजुक, जिला अस्पताल से लखनऊ हुए रेफर, स्थिति सामान्य,लखनऊ में चल रहा है इलाज,चुनावी रंजिश में हुई वारदात के बाद मौके पर पहुंचे एसपी, बीजेपी से जिप सदस्य अनामिका के पति हैं भूपेंद्र सिंह,पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह के बताये जाते हैं करीबी,एसपी ने हमलावरों की गिरफ़्तारी के लिए गठित की 5 टीमें, घटना डेहरास के गज़राज पुरवा का।

बाराबंकी में पुलिस का रातभर अभियान, 2 वारंटी–2 वांछित गिरफ्तार, 28 पर शांतिभंग की कार्रवाई

सत्या शिला न्यूज़–प्रभात मिश्रा संवाददाता

बाराबंकी। 24/25 अप्रैल की रात जिले में चलाए गए पुलिस अभियान में बड़ी कार्रवाई की गई है। अभियान के दौरान पुलिस ने 2 वारंटी और 2 वांछित आरोपियों को गिरफ्तार किया, जबकि 28 लोगों के खिलाफ शांतिभंग की कार्रवाई की गई। थाना टिकैतनगर पुलिस ने वांछित अभियुक्त बालमुकुन्द वर्मा उर्फ सनकी और बिनीत वर्मा को दबोचने में सफलता हासिल की। वहीं, हैदरगढ़ पुलिस ने अपहृत युवती को सकुशल बरामद कर लिया है और आगे की विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस की इस सख्त कार्रवाई से अपराधियों में हड़कंप मचा हुआ है। एसपी ने बताया कि जिले में अपराध नियंत्रण के लिए ऐसे अभियान आगे भी जारी रहेंगे।

बाराबंकी में महिला आरक्षण बिल को लेकर भाजपा का विरोध प्रदर्शन !!

शिवानन्द रिपोर्टर

बाराबंकी। महिला आरक्षण बिल को लेकर जिले में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव का पुतला फूंका और उनके खिलाफ जमकर नारेबाजी की।बताया जा रहा है कि यह प्रदर्शन महिला आरक्षण बिल के पारित न होने को लेकर किया गया। भाजपा कार्यकर्ताओं का आरोप है कि विपक्षी दल, खासकर कांग्रेस और समाजवादी पार्टी, महिलाओं को उनका अधिकार दिलाने में गंभीर नहीं हैं। इसी के विरोध में सैकड़ों कार्यकर्ता सड़कों पर उतरे और अपना आक्रोश व्यक्त किया। प्रदर्शन के दौरान माहौल काफी गरम रहा। कार्यकर्ताओं ने हाथों में पार्टी के झंडे और

तख्तियां लेकर नारे लगाए और विपक्षी नेताओं पर महिला सशक्तिकरण के मुद्दे पर राजनीति करने का आरोप लगाया। इस दौरान पुलिस प्रशासन भी मौके पर मौजूद रहा और स्थिति को नियंत्रण में रखा। भाजपा नेताओं ने कहा कि उनकी पार्टी हमेशा महिलाओं के अधिकारों और सम्मान के लिए प्रतिबद्ध रही है, जबकि विपक्षी दल केवल दिखावा करते है।

कुमारगंज में चलती बस में शॉर्ट सर्किट से लगी आग, यात्रियों में मची अफरा–तफरी, ड्राइवर की सूझबूझ से टला बड़ा हादसा

अयोध्या जनपद के कुमारगंज थाना क्षेत्र में प्राइवेट बस में शार्ट सर्किट से आग लगने का मामला सामने आया है। आपको बता दें कि जगदीशपुर से अयोध्या जा रही एक प्राइवेट बस में अचानक शॉर्ट सर्किट होने से आग लग गई। आग लगने से बस में सवार यात्रियों के बीच हड़कंप मच गया। घटना उस समय हुई जब बस पिठला के पास स्थित सैनिक ढाबा के करीब पहुंची थी। प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार दोपहर करीब 1 बजे यात्रियों से भरी बस के अंदर से अचानक धुआं उठता दिखाई दिया, जिसके बाद यात्रियों में चीख पुकार और अफरा–तफरी मच गई। स्थिति को भांपते हुए चालक ने तुरंत सूझबूझ दिखाते हुए बस को सड़क किनारे सैनिक ढाबा के पास रोक दिया। इसके बाद यात्रियों को आनन–फानन में बस से नीचे उतारा गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आग शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी थी जो धीरे–धीरे फैलने लगी थी। हालांकि चालक, स्थानीय लोगों और मौके पर मौजूद लोगों की तत्परता से आग पर समय रहते काबू पा लिया गया, जिससे एक बड़ी दुर्घटना टल गई। यदि थोड़ी भी देर हो जाती, तो आग विकराल रूप ले सकती थी और भारी नुकसान हो सकता था। घटना के दौरान किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, लेकिन यात्रियों में भय और दहशत का माहौल काफी देर तक बना रहा।

बाराबंकी के लोनीकटरा थाना क्षेत्र के मंगलपुर कट पर देर रात दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार बोलेरो ने बाइक सवार दो लोगों को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें स्थानीय लोगों की मदद से तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। इलाज के दौरान डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया, जिसके बाद परिजनों में चीख–पुकार मच गई और पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है।

हाईस्कूल–इंटर उत्तरपुस्तिकाओं की सन्निरीक्षा के लिए 17 मई तक करें आवेदन

संवाददाता

अमेठी। माध्यमिक शिक्षा परिषद, उत्तर प्रदेश द्वारा वर्ष 2026 की हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट परीक्षाओं की उत्तरपुस्तिकाओं की सन्निरीक्षा (री–चेकिंग) के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. राजेश द्विवेदी ने बताया कि आवेदन की अंतिम तिथि 17 मई 2026 निर्धारित की गई है। उन्होंने बताया कि सन्निरीक्षा के लिए प्रति प्रश्नपत्र 500 रुपये शुल्क निर्धारित किया गया है। लिखित एवं प्रयोगात्मक परीक्षाओं के लिए यह शुल्क अलग–अलग देय होगा। विस्तृत दिशा–निर्देश परिषद की आधिकारिक वेबसाइट नचउेच.मकन.पद पर उपलब्ध हैं। अभ्यर्थियों को पहले निर्धारित शुल्क चालान के माध्यम से राजकीय कोषागार में जमा करना होगा। इसके बाद ऑनलाइन आवेदन पत्र भरकर उसका प्रिंटआउट निकालना होगा और शुल्क जमा करने के मूल चालान के साथ संलग्न कर सत्यापन कराना होगा। तत्पश्चात सत्यापित आवेदन पत्र को रजिस्टर्ड डाक के माध्यम से अपर सचिव, माध्यमिक शिक्षा परिषद, क्षेत्रीय कार्यालय वाराणसी को 17 मई 2026 तक भेजना अनिवार्य है। डीआईओएस ने स्पष्ट किया कि केवल ऑनलाइन आवेदन ही मान्य होंगे। सीधे या केवल डाक/कोरियर से भेजे गए आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। साथ ही अंतिम तिथि के बाद प्राप्त किसी भी आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा।उन्होंने अभ्यर्थियों से अपील की है कि निर्धारित समय सीमा के भीतर सभी औपचारिकताएं पूरी करते हुए आवेदन करें, ताकि किसी प्रकार की असुविधा न हो।

अमेठी में 28 अप्रैल से 3 मई तक लगेगा श्रमिक स्वास्थ्य मेला

निःशुल्क जांच व उपचार की सुविधा

संवाददाता

अमेठी। अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस के उपलक्ष्य में जनपद में श्रमिकों और आमजन के लिए "श्रमिक स्वास्थ्य एवं आरोग्य मेला" का आयोजन किया जाएगा। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अंशुमान सिंह ने बताया कि यह मेला 28 अप्रैल 2026 से 3 मई 2026 तक विभिन्न औद्योगिक संस्थानों में आयोजित होगा।मेले के माध्यम से श्रमिकों को उनके कार्यस्थल पर ही निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इसमें डायबिटीज, ब्लड प्रेशर की जांच, नेत्र परीक्षण, त्वचा रोगों की स्क्रीनिंग, टीबी जांच व उपचार तथा बच्चों का टीकाकरण शामिल है।इसके साथ ही आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत आयुष्मान कार्ड भी बनाए जाएंगे और लाभार्थियों को योजना की जानकारी दी जाएगी। 14 वर्ष की किशोरियों के लिए एचपीवी टीकाकरण, मुंह, गर्भाशय एवं स्तन कैंसर की स्क्रीनिंग व परामर्श तथा स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। यह स्वास्थ्य मेला एसएलएमजी बिवरेज प्राइवेट लिमिटेड त्रिसुंडी भादर, अडानी सीमेंट टिकरिया गौरीगंज, कनौडिया प्राइवेट लिमिटेड, बीएचईएल जगदीशपुर, एचएएल कोरवा, इण्डोरामा जनसेवा ट्रस्ट जगदीशपुर, राजेश मसाला उद्योग अमेठी तथा सीटीईडी जगदीशपुर में लगाया जाएगा। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने सभी श्रमिकों एवं नागरिकों से अपील की है कि वे इस मेले में पहुंचकर निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाएं और समय–समय पर अपनी स्वास्थ्य जांच अवश्य कराएं।

अमेठी के युवा रितिक मिश्रा ने बनाई मिसाल, `उड़ान विद्यापीठ' से हजारों छात्रों को मिल रही सस्ती काउंसिलिंग

संवाददाता

अमेठी। अमेठी जनपद के संग्रामपुर ब्लॉक के ग्राम पूरे भिखुक मिश्र निवासी रितिक मिश्रा ने अपनी संघर्षपूर्ण यात्रा से प्रेरणा लेते हुए छात्रों के लिए एक नई पहल शुरू की है। इंजीनियर बनने के दौरान काउंसिलिंग में आई समस्याओं से सबक लेकर उन्होंने 'उड़ान विद्यापीठ' नाम से एक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म तैयार किया है, जिसके माध्यम से वह देश–विदेश के छात्रों को सस्ती काउंसिलिंग और करियर मार्गदर्शन उपलब्ध करा रहे हैं। रितिक मिश्रा अपने इंजीनियर मित्रों के साथ मिलकर उन छात्रों की मदद कर रहे हैं, जो महंगी काउंसिलिंग के कारण अच्छे कॉलेज में प्रवेश नहीं ले पाते।

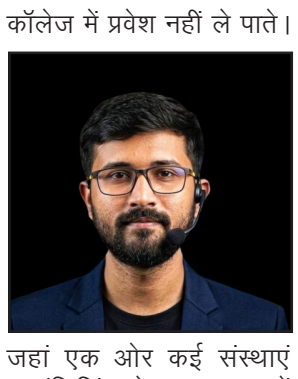

जहां एक ओर कई संस्थाएं काउंसिलिंग के नाम पर लाखों रुपये वसूलती हैं, वहीं 'उड़ान विद्यापीठ' के जरिए बेहद कम शुल्क में छात्रों को सही मार्गदर्शन दिया जा रहा है। साथ ही फ्री करियर गाइडेंस की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है। इस पहल की खास बात यह रही कि 26 अप्रैल 2026 को आयोजित एक विशेष सत्र में मात्र 1 रुपये की फीस पर लगातार 11 घंटे से अधिक समय तक देश और विदेश से जुड़े करीब 5 हजार से ज्यादा छात्रों को मार्गदर्शन दिया गया, जो अपने आप में एक मिसाल बन गया है। रितिक मिश्रा का उद्देश्य है कि कोई भी छात्र काउंसिलिंग की कमी या महंगी फीस के कारण अपने सपनों से वंचित न रहे। इंजीनियरिंग या मेडिकल क्षेत्र में करियर बनाने की इच्छा रखने वाले छात्र 'उड़ान विद्यापीठ' से जुड़कर अपने भविष्य को नई दिशा दे सकते हैं।

फर्जी कॉल से सावधान रहें सिविल डिफेंस स्वयंसेवक

एडीएम ने जारी की एडवाइजरी

संवाददाता

अमेठी। अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) अर्पित गुप्ता ने जनपद के सिविल डिफेंस स्वयंसेवकों, आपदा मित्रों एवं उनके परिजनों को फर्जी फोन कॉल से सतर्क रहने की सलाह दी है। उन्होंने बताया कि हाल के दिनों में कुछ स्वयंसेवकों को प्रशिक्षण एवं नौकरी के नाम पर अज्ञात नंबरों से भ्रामक कॉल प्राप्त हो रही हैं, जिससे उन्हें आर्थिक और मानसिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कॉल करने वाले लोग उच्च वेतन और प्रशिक्षण का लालच देकर हरदोई, शाहजहांपुर सहित अन्य शहरों में बुलाने की बात कर रहे हैं, जो पूरी तरह फर्जी है। एडीएम ने स्पष्ट किया कि वर्तमान में जनपद के सिविल डिफेंस कार्यालय या आपदा प्रबंधन विभाग की ओर से किसी भी प्रकार का प्रशिक्षण प्रस्तावित नहीं है। शासन से निर्देश मिलने के बाद ही प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसकी जानकारी आधिकारिक माध्यमों से दी जाएगी। उन्होंने स्वयंसेवकों से अपील की कि इस प्रकार की कॉल को नजरअंदाज करें और किसी भी अज्ञात व्यक्ति से अपनी व्यक्तिगत जानकारी साझा न करें। साथ ही निर्देश दिया कि यदि किसी को इस प्रकार की संदिग्ध कॉल प्राप्त होती है, तो संबंधित नंबर की जानकारी सिविल डिफेंस कार्यालय के मोबाइल नंबर 7830318428 पर उपलब्ध कराएं, ताकि आवश्यक कार्रवाई की जा सके। एडीएम ने कहा, "आपकी सावधानी ही आपका बचाव है", इसलिए सभी लोग सतर्क रहें और किसी भी फर्जी कॉल के झांसे में न आएं।

प्राइवेट स्कूल बंद करना समाधान या नई चुनौती ?

संवाददाता

अमेठी। प्राइवेट स्कूलों को बंद करने का प्रस्ताव इन दिनों चर्चा का विषय बना हुआ है। इस मुद्दे पर सामाजिक दृष्टिकोण रखते हुए अमेठी कस्बे के एसडीएम कॉलोनी निवासी पुराने संघी रवीन्द्र सिंह ने अपना विचार व्यक्त करते हुए कहा है कि सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी सरकारी स्कूलों को पूरी तरह सुविधासम्पन्न बनाना होना चाहिए। उनका मानना है कि यदि सरकारी स्कूलों में मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर, आधुनिक संसाधन और योग्य व प्रशिक्षित शिक्षकों का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित किया जाए, तो शिक्षा व्यवस्था में सकारात्मक और चौंकाने वाले परिणाम सामने आ सकते हैं। रवीन्द्र सिंह ने आगे बताया कि यदि समाज के सभी वर्ग अमीर–गरीब, किसान–मजदूर, व्यापारी और नौकरीपेशाकृके बच्चे एक साथ पढ़ेंगे, तो सामाजिक भेदभाव और जातिवाद की खाई स्वतः कम हो सकती है। इसके लिए सरकार को मजबूत इच्छाशक्ति और ठोस नीतिगत निर्णय लेने की जरूरत है। उन्होंने सुझाव दिया कि प्राइवेट स्कूलों की जगह अस्पताल, मेडिकल कॉलेज, सरकारी कार्यालय, सैनिक स्कूल और स्पोर्ट्स कॉलेज स्थापित किए जा सकते हैं।

मुसाफिरखाना में गौ–सम्मान अभियान के तहत सौंपा गया ज्ञापन

संवाददाता

मुसाफिरखाना। गौ–सम्मान आह्वान अभियान के अंतर्गत सोमवार को तहसील परिसर में गौ–रक्षा एवं गोवंश संरक्षण को लेकर क्षेत्रवासियों ने राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन तहसील प्रशासन को सौंपा। यह ज्ञापन अवधेश सिंह के नेतृत्व में दिया गया।

ज्ञापन में कहा गया कि भारतीय संस्कृति, अर्थव्यवस्था, मानव स्वास्थ्य, विषमुक्त कृषि और पर्यावरण संतुलन में गाय का महत्वपूर्ण स्थान है। सदियों से गोवंश भारतीय परंपराओं का अभिन्न अंग रहा है, लेकिन वर्तमान समय में संरक्षण और संवर्धन के अभाव में गोवंश की स्थिति चिंताजनक होती जा रही है। ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई कि देशभर में गोवंश को स्वस्थ, सुरक्षित, सम्मानित और संरक्षित रखने के लिए सरकार ठोस कदम उठाए।

हिन्दी साप्ताहिक
सत्य शिला
लखनऊ, मंगलवार 28 अप्रैल 2026

सम्पादकीय

अंधश्रद्धा को सही चुनौती!

अपने चमत्कार दिखाकर धार्मिक श्रद्धा के बाजार और भक्ति के व्यापार में बहुत जल्द तरक्की करने वाले धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री को अब अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति ने चुनौती दी है। महाराष्ट्र की अखिल भारतीय अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति (एएनआईएस) ने दो परीक्षणों के जरिए मध्यप्रदेश के बागेश्वर धाम के धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री के चमत्कारी दावों को चुनौती दी है। एएनआईएस के संस्थापक प्रो. श्याम मानव ने बीते दिनों नागपुर में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में घोषणा की कि धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री को दो विशेष परीक्षणों से गुजरना होगा। अगर वे इन परीक्षणों में सफल होते हैं तो उन्हें रुपए 80 लाख की पुरस्कार राशि दी जाएगी, लेकिन अगर वे असफल होते हैं तो उनके कार्यक्रम शुल्क से जमा 8 लाख जब्त कर लिए जाएंगे। इन पंक्तियों के लिखे जाने तक शास्त्री ने इस चुनौती को स्वीकार नहीं किया है, हालांकि उनका कहना है कि श्मेरे पास कोई अलौकिक शक्तिनहीं है, सभी शक्तियां बजरंगबली की हैं। मुझे केवल इसलिए निशाना बनाया जा रहा है क्योंकि मैं धर्मांतरण का विरोध करता हूं। इस पर प्रो. श्याम मानव का कहना है कि श्अगर वे वाकई दिव्य शक्तियां रखते हैं, तो हमारे परीक्षण में क्या डर? हम सार्वजनिक रूप से सिद्ध करने को तैयार हैं। गौरतलब है कि अखिल भारतीय अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति ने यह चुनौती तीन शर्तों के साथ रखी है, धीरेंद्र शास्त्री को बंद लिफाफों में रखे 10 अलग–अलग व्यक्तियों के नाम, उनके माता–पिता के नाम, उम्र और मोबाइल नंबर सही–सही पहचानना होगा। धीरेंद्र शास्त्री को परीक्षण वाली जगह पर बगल के कमरे में रखी 10 अलग–अलग वस्तुओं की पहचान बिना देखे करनी होगी। पूरी प्रक्रिया की वीडियो रिकॉर्डिंग नागपुर में होगी और दोनों पक्षों की पांच–पांच सदस्यीय समिति इसकी निगरानी करेगी। बजरंगबली की शक्ति पर अटूट आस्था दिखाने वाले शास्त्री इन चुनौतियों को मानेंगे या नहीं, उसमें कामयाब होंगे या नहीं, यह तो बाद की बात है। लेकिन इस समय समाज जिस तेजी से अंधश्रद्धा का शिकार हो रहा है, आस्था और अंधविश्वास में फर्क को मिटाया जा रहा है, धर्म के मायने बदलकर दूसरे धर्म के लोगों से नफरत, बदला लेने की भावना को बढ़ावा मिल रहा है, संविधान को अपमानित कर भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने की मुहिम चलाई जा रही है, उसमें यह बेहद जरूरी है कि इस तरह के क्रियाकलापों पर तार्किक सवाल उठाए जाएं। प्रो. श्याम मानव ने इस चुनौती के साथ एक गंभीर आरोप भी लगाया है कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के कार्यकाल में महाराष्ट्र में अंधविश्वास बढ़ा है। हालांकि इस आरोप का दायरा बढ़ाकर पूरे देश पर लागू किया जा सकता है, क्योंकि शायद ही कोई राज्य, कोई जिला ऐसा होगा जहां अंधविश्वास से ग्रस्त जनता और उसे बढ़ावा देने वाला शक्तिशाली, संपन्न तबका मौजूद न हो। इसके बरक्स वैज्ञानिक सोच और नजरिए को बढ़ावा देने वाले लोग नगण्य रह गए हैं। अभी पिछले हफ्ते ही देश के पूर्व मुख्य न्यायाधीश भूषण गवई ने पिछले सोमवार ही अपने परिवार के साथ छतरपुर के बागेश्वर धाम में बालाजी की पूजा की और पीठाधिश्वर धीरेंद्र शास्त्री से भी मुलाकात की। जिसके बाद बी आर गवई ने कहा कि बागेश्वर धाम में सनातन संस्कृति को मजबूत करने के लिए जो प्रयास किए जा रहे हैं, वे सराहनीय हैं। उन्होंने कहा कि यदि इस प्रकार शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार से जुड़े सामाजिक कार्य निरंतर चलते रहें, तो भारत को विश्व गुरु बनने से कोई नहीं रोक सकता। इस मौके पर पूर्व मुख्य न्यायाधीश ने बागेश्वर धाम में संचालित कैंसर हॉस्पिटल का भी जिक्र किया और वहां की स्वास्थ्य सेवाएं भी देखीं। व्यक्तिगत तौर पर श्री गवई चाहे किसी भी धर्मालय में जाएं और जो चाहें पूजा करें। लेकिन जिस पद पर वे रह चुके हैं, उसके बाद इस तरह किसी विशेष धाम के बारे में बयान देना उचित नहीं है। अच्छी बात है कि छतरपुर में धीरेन्द्र शास्त्री ने कैंसर अस्पताल बनवाया है, लेकिन बेहतर चिकित्सा व्यवस्था की जो जिम्मेदारी सरकार की है, क्या उस पर भी श्री गवई कहेंगे। वैसे जब मुख्य न्यायाधीश रहते हुए डी. वाय. चंद्रचूड़ के साथ प्रधानमंत्री ने उनके घर पर गणेश पूजा में हिस्सा लिया। या अभी राजस्थान के मुख्यमंत्री ने भारत के मुख्य न्यायाधीश के लिए भारत सरकार के मुख्य न्यायाधीश का संबोधन दिया, उसके बाद न्यायपालिका से बची हुई आस भी टूटने लगी है। ध्यान रहे कि इन्हीं जस्टिस गवई के ऊपर एक वकील ने अदालत के भीतर जूता उछाल दिया था, क्योंकि विष्णु की खंडित प्रतिमा को लेकर दिए उनके बयान पर वकील को सनातन का अपमान महसूस हुआ था। अब वही बी आर गवई धीरेन्द्र शास्त्री के कामों को सनातन संस्कृति को बढ़ावा देने वाला बता रहे हैं। तो क्या देश में बड़ी चालाकी से माहौल तैयार हो रहा है कि कु छ समय बाद हिंदू राष्ट्र की उद्घोषणा हो जाए तब विरोध करने वाला कोई बचे ही नहीं। असल में धीरेन्द्र शास्त्री इस पूरे खेल में एक नया और युवा किरदार ही हैं। उनसे पहले आसाराम, नित्यानंद, अशोक खरात और न जाने कितने तरह के किरदारों ने अंधश्रद्धा को बढ़ाने में अपनी भूमिका निभाई है। राजनीति, खेल, कला और फिल्म जगत से जुड़ी बड़ी हस्तियां इनके यहां माथा नवाते दिखती हैं, तो समाज का पीड़ित, कमजोर तबका सोचता है कि हम भी ऐसा ही करें तो शायद हमारी तकलीफें दूर हो जाएं, हमें भी ठाठ से रहने के मौके मिले। इस तरह जनता को आराम पहुंचाने की जो जिम्मेदारी सरकार की है, वो अंधश्रद्धा के जिम्मे आ जाती है, जो कभी भी दान की चादर में मिले अरबों रूपए बटोर कर उठा ली जाती है। जनता को न आराम मिलता है, न ठाठ! ऐसे खेल को रोकने के लिए जरूरी है कि प्रो. श्याम मानव ने जो चुनौती पेश की है, उसे व्यापक स्थान मिले।

तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में रिकॉर्ड वोटिंग के नतीजे असल में क्या संकेत देते हैं?

टी एन अशोक

ज्यादातर लोकतंत्रों में भारी मतदान को एक अच्छी बात माना जाता है, जो चुनाव प्रणाली में भरोसे की निशानी है। परन्तु भारत में यह बात इतनी सीधी नहीं है। तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में 2026 के विधानसभा चुनावों में जो जबरदस्त भागीदारी देखने को मिली, जहां मतदान क्रमशः 84 प्रतिशत और 92 प्रतिशत के पार पहुंच गईकृ उसे और गहराई से समझने की जरूरत है। ये सिर्फ आंकड़े नहीं हैं। ये संकेत हैं, कुछ गड़बड़ियां हैं, और कुछ मामलों में, जान–बूझकर की गई राजनीतिक चालें हैं। पहली नजर में, तमिलनाडु की रिकॉर्ड मतदान एक जानी–पहचानी कहानी जैसी लगती है। इतिहास गवाह है कि जब–जब मतदान में अचानक उछाल आया हैकृ खासकर 2011 मेंकृतब–तब सत्ता–विरोधी लहर भी जोरों पर रही है। इससे अपने–आप यह सवाल उठता हैरू क्या सत्ताधारी पार्टी द्रविड़ मुन्नेत्रकडगम (द्रमुक) मुश्किल में है? इसका जवाब है, जरूरी नहीं। 2026 में मतदान में जो उछाल आया है, वह एक काफी बदले हुए मतदाता सूची पर आधारित है। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की वजह से मतदाताओं की संख्या लाखों में कम हो गई थी। इसलिए, भले ही मतदान का प्रतिशत बढ़ा हो, लेकिन मतदाताओं की कुल संख्या में जो बढ़ोतरी हुई हैकृपिछले चुनावों के मुकाबले लगभग 19 लाखकृ वह उतनी बड़ी नहीं है जितनी दिखती है। दूसरे शब्दों में, यह मतदाताओं का एक छोटा समूह है जो ज्यादा जोश से मत डाल रहा है, न कि कोई पूरी तरह से नई लहर जो चुनावी मैदान का नक्शा बदल रही हो। यह फर्क समझना जरूरी है। यह इस सोच को थोड़ा नरम करता है कि सत्ता के खिलाफ कोई बहुत बड़ी लहर चल रही है। अभिनेता से नेता बने विजय और उनकी पार्टी, तमिलगावेट्रीकडगम (टीवीके) के चुनावी मैदान में उतरने से युवा मतदाताओं में, खासकर 18 से 40 साल के लोगों में, यकीनन नया जोश भर गया है। मतदाताओं का यह समूहकृजो तमिलनाडु में पहले से ही काफी बड़ा हैकृ इस बार बड़ी संख्या में मत डालने के लिए बाहर निकला है। लेकिन जोश होना और चुनावी तौर पर एकजुट होना, ये दोनों अलग–अलग बातें हैं। विजय की लोकप्रियता फैली हुई है, शहरी इलाकों में ज्यादा है, और अभी भी अपने राजनीतिक स+फर के शुरुआती दौर में है। उनकी मौजूदगी से शायद ये हुआ हैरू मतदान का प्रतिशत बढ़ा है, खासकर पहली बार मत डालने वालों के बीच। द्रमुक–विरोधी मत एक जगह जमा होने के बजाय अलग–अलग हिस्सों में बंट गए हैं। खासकर शहरी इलाकों की करीबी चुनावी लड़ाइयों में, जिससे नतीजों का अंदाजा लगाना मुश्किल हो गया है। द्रमुक के लिए, यह विरोधाभासी रूप से फायदेमंद है। एक बंटा हुआ विपक्ष, सत्ता–विरोधी लहर के पूरी तरह हावी होने के जोखिम को कम कर देता है। शोर–शराबे के बावजूद, द्रमुक के पास कई ऐसे फायदे हैं जो खामोश हैं, महिला मतदाता, जिनकी संख्या अब पुरुषों से ज्यादा है, लगातार कल्याणकारी योजनाओं की निरंतरता के पक्ष में रही हैं। शासन का एक अपेक्षाकृत स्थिर माहौल, जिसमें कोई बड़ा घोटाला नहीं हुआ है। गहरे संगठनात्मक नेटवर्क, जिनकी बराबरी नए आए दल नहीं कर सकते। नेता एम. के. स्टालिन ने भड़काऊ बयानबाजी से परहेज किया है, और द्रमुक को गुस्से का निशाना बनने के बजाय स्थिरता के रक्षक के रूप में पेश किया है। इस संदर्भ में, भारी मतदान, शायद प्रतिस्पर्धी लामबंदी को दर्शाता है, न कि किसी अस्वीकृति को। विपक्ष का खेमा एकजुट होने के बजाय ज्यादा भीड़भाड़ वाला है। जयललिता के बाद पैदा हुए नेतृत्व के खालीपन के चलते, ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्रकडगम (अन्नाद्रमुक) अभी भी नेतृत्व की स्पष्टता के लिए संघर्ष कर रही है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अपना विस्तार तो किया है, लेकिन द्रविड़ राजनीतिक परिवेश में उसकी संरचनात्मक सीमाएं अभी भी बनी हुई हैं। उनके गठबंधन का गणित तो शायद काम कर जाए, लेकिन उनकी कहानी में कोई तालमेल नहीं है। याद रहे भारी मतदान वाले चुनावों में, अक्सर गणित से ज्यादा कहानी मायने रखती है। अगर तमिलनाडु में मतदान का रुझान अस्पष्ट है, तो पश्चिम बंगाल में यह बेहद स्पष्ट है। 92 प्रतिशत का आंकड़ा पार करना, न केवल लोगों की भागीदारी को दर्शाता है, बल्कि उनके जोश को भी दिखाता हैकृएक ऐसा समाज जो गहरे तौर पर ध्रुवीकृत है और मतदान को अपने अस्तित्व की लड़ाई मान रहा है। यहां, मतदान का मकसद जिज्ञासा कम और मजबूरी ज्यादा है। मत डालने के लिए बड़ी संख्या में प्रवासी मजदूरों के वापस लौटने की खबरें काफी अहम हैं। बंगाल में लंबे समय से प्रवासन के कारण चुनावी भागीदारी कमजोर होती रही है। उनका वापस लौटना यह संकेत देता हैरू एक ऐसी सोच कि यह चुनाव सामान्य से कहीं ज्यादा मायने रखता है। राजनीतिक दांव–पेंच को लेकर एक बढ़ा हुआ एहसास, जो अब उनकी निजी पहचान से भी जुड़ गया है। यह कोई सामान्य चुनावी लामबंदी नहीं है। यह भावनाओं की पुकार है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस चुनाव को श्शासन बनाम विपक्षश की लड़ाई के तौर पर नहीं, बल्कि बंगाल बनाम बाहरी दखल की लड़ाई के तौर पर पेश किया है। नागरिकता कानून (सीएए), संभावित समान नागरिक संहिता (यूसीसी), और मतदाता सूची में संशोधन (एसआईआर) से जुड़े आरोपों जैसे मुद्दों को, सांस्कृतिक और राजनीतिक खतरे की एक बड़ी कहानी में पिरो दिया गया है। कोई इस नजरिए से सहमत हो या न हो, लेकिन राजनीतिक तौर पर यह काफी असरदार साबित हुआ है। यहां भारी मतदान शायद इन बातों को दर्शाता है, अल्पसंख्यक और ग्रामीण मतदाताओं का एकजुट होना। भाजपा के कथित वैचारिक विस्तार के खिलाफ एक जवाबी लामबंदी। मत को किसी आकांक्षा के बजाय, अपनी सुरक्षा के एक हथियार के तौर पर देखना। सबसे अहम सवाल यह हैरू क्या 92प्रतिशत से अधिक का मतदान मौजूदा सत्ताधारी दल के प्रति गुस्से का संकेत है, या फिर चुनौती देने वाले दल के प्रति डर का? बंगाल में, सुबूत बाद वाली बात की तरफ इशारा करते हैं। ऐसा लगता है कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी)ने अपनी कमजोरी को एक जरूरी मुद्दे में बदल दिया है। सिर्फ अपने काम के बचाव के बजाय, उसने हार के नतीजों को ही नए सिरे से परिभाषित कर दिया है। भाजपा के लिए, इससे एक अजीब विरोधाभास पैदा हो गया है। उसके उभार ने मुकाबले का दायरा तो बढ़ाया है, लेकिन साथ ही एक ऐसी प्रतिक्रिया भी पैदा कर दी है, जिससे उसके विरोधियों के बीच मत डालने वालों की संख्या बढ़ गई है। अगर तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल को साथ–साथ देखें, तो वे एक ही घटना के बारे में दो अलग–अलग कहानियां बताते हैं। तमिलनाडु में भारी मतदान प्रतिस्पर्धा, युवाओं का भारी संख्या में प्रवेश और बिखरे हुए विपक्ष की वजह से हुआ। पश्चिम बंगाल में ध्रुवीकरण, पहचान और अस्तित्व के लिए माने जाने वाले दांव की वजह से। एक में, यह बढ़त मौजूदा सरकार को स्थिर कर सकती है। दूसरे में, यह उसे बचा सकती है। भारी मतदान अपने आप में कोई फैसला नहीं है। यह एक सवाल है। तमिलनाडु में, यह पूछता है कि क्या कोई नई राजनीतिक ताकत जोश को सत्ता में बदल सकती हैकृया सिर्फ मतों को फिर से बांट सकती है? पश्चिम बंगाल में, यह पूछता है कि क्या डर को वफादारी में बदला जा सकता हैकृऔर क्या ध्रुवीकरण ऐसी जगह पहुंच गया है जहां से वापसी नहीं हो सकती? किसी भी तरह से देखें, भारी मतदान की संख्या जितना दिखाती हैं, उतना ही छिपाती भी हैं। भारतीय चुनावों में, अक्सर भारी मतदान के पीछे जो होता है, वही तय करता है कि आखिर में कौन राज करेगा।

ट्रंप ने कहा भारत को नरक मगर मोदी को चुनाव से फुरसत नहीं!

शकील अख्तर

कभी कांग्रेस का केन्द्र सहित सभी राज्यों में राज था। कांग्रेसी कोई छोटा मोटा संस्थान भी छोड़ना नहीं चाहते थे। इन्दिरा गांधी से कहा गया कि यह जेएनयू का छात्रसंघ हमारे पास नहीं है। इन्दिराजी ने जवाब दिया कि कुछ विपक्ष के लिए भी छोड़ना चाहिए। कमलापति त्रिपाठी ने बनारस में अपने खिलाफ चुनाव लड़ने वाले राजनारायण को चुनाव खर्चे के लिए पैसे दिए। 1980 के लोकसभा चुनाव की बात है। कई उदाहरण हैं और इनकी शुरूआत खुद नेहरू से होती है। नेहरू के सबसे बड़े आलोचक लोहिया जो एक तरफ कहते थे कि अगर मुझे कु छ हो गया तो मेरी सबसे अच्छी देखभाल नेहरू के घर पर होगी और दूसरी तरफ वे नेहरू पर व्यक्तिगत आरोप भी लगाते थे। ऐसे हवा हवाई आरोप जैसे आजकल प्रधानमंत्री मोदी लगाते हैं कि कांग्रेस के पास बोरों में भर–भर कर पैसा जाता है, 50 करोड़ की गर्ल फ्रेंड! ऐसे ही उन दिनों 25 हजार रुपए बहुत होते थे। तो लोहिया ने आरोप लगाया कि नेहरू का व्यक्तिगत खर्च 25 हजार रुपए रोज है। और नेहरू ने इतने ही रुपए 25 हजार लोहिया के चुनाव खर्चे के लिए पहुंचाए। साथ में एक जीप और लोहिया चुनाव किस के खिलाफ लड़ रहे थे? खुद नेहरू के। 1962 का लोकसभा चुनाव। फुलपुर से। नेहरू को जीतना ही था। लेकिन उन्होंने कहा कि लोहिया को लोकसभा में होना चाहिए। ऐसा ही वाजपेयी के लिए भी कहते थे। नेहरू से लेकर इन्दिरा, राजीव गांधी तक सब विपक्ष के नेता और विपक्ष की जगह का महत्व जानते थे और उसे बनाए रखने में मदद करते थे। नेहरू ने 1962 की लोहिया की हार के बाद 1963 में उनको फर्रूखाबाद के उपचुनाव में जिताने में मदद भी की थी। राजीव गांधी का जिक्र किया तो यह इतनी बड़ी बात खुद राजीव ने कभी नहीं बताई वाजपेयी ने ही बताई थी कि जब राजीव गांधी को उनके हार्ट की गंभीर समस्या का मालूम पड़ा तो एक प्रतिनिधिमंडल का अध्यक्ष बनाकर अमेरिका भेजा और वहां इलाज की सारी व्यवस्था की। राजीव की हत्या के बाद वाजपेयी ने जब यह बात बताई तो सबको मालूम पड़ा। मगर आज क्या हो रहा है? मोदी अमित शाह हर चुनाव जीतना चाहते हैं। किसी भी कीमत पर। बंगाल में सारी ताकत लगा दी है। चुनाव आयोग मीडिया बाकी संस्थाएं सब साथ हैं। बड़ी तादाद में केन्द्रीय सुरक्षा बल लेकर केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह दो हफ्ते से बंगाल में डेरा जमाए बैठे हैं। बताया जा रहा है कि अभी 27 अप्रैल सोमवार जब दूसरे दौर के चुनाव प्रचार खतम नहीं हो जाता वे वहीं रहेंगे। इससे पहले कभी किसी राज्य के चुनाव में गृहमंत्री सारे काम छोड़कर एक राज्य में रहे ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। बाकी सब काम और समस्याएं तो एक तरफ हैं। मगर सीमवर्ती राज्य मणिपुर में तो बुरी तरह हिंसा की आग धधक रही है। मगर न प्रधानमंत्री न गृह मंत्री किसी को मणिपुर की चिंता है। और बंगाल में केन्द्रीय सुरक्षा बल कितने हैं? करीब ढाई लाख से ज्यादा जवान। बंगाल पुलिस को एकदम किनारे कर दिया गया है। खुद गृह मंत्री अमित शाह एक वीडियो में कहते हुए सुने जा रहे हैं ऐ बंगाल पुलिस हट जाओ! कल को कोई नेता किसी दूसरे राज्य की पुलिस के लिए भी ऐसा ही कहेगा। और कोई राज्य का नेता केन्द्रीय सुरक्षा बल से भी कह सकता है। कैसा ट्रेंड सेट कर रहे हैं देश के गृहमंत्री? और चुनाव आयोग क्या कर रहा है? वह राज्य की पुलिस के अपमान, गृह मंत्री, प्रधानमंत्री, यूपी के मुख्यमंत्री के बार–बार टीएमसी के गुंडे कहने से लेकर दीदी के गुंडे कहने पर कोई कार्रवाई नहीं कर रहा लेकिन बाइक पर आने जाने पर रोक लगा रहा है। देश में खासतौर से गांवों में आने–जाने का सबसे मुख्य साधन क्या है? दोपहिया वाहन। उनके चलाने पर रोक लगा दी। मगर जब ज्यादा विरोध हुआ तो पीछे किसी को बिठाने पर रोक लगा दी। गांव का बाइक का हिसाब–किताब समझते हैं ये? एक आदमी बाइक पर जाता है तो महंगा पड़ता है। दो में किफायती और तीन में सस्ता। इस तरह हिसाब–किताब लगाकर गांव कस्बों में लोग अपना काम चलाते हैं। बड़े शहरों में सरकार कहती है गाड़ी पूल करो। मगर कोई नहीं मानता। लेकिन गांव, कस्बों में बिना किसी के कहे अपने आर्थिक हालात को देखकर लोग बाइक पूल करते हैं। पता नहीं कितना तो सामान इस पर आता–जाता है। मगर चुनाव आयोग कुछ नहीं देख रहा। पोलिंग के 48 घंटे पहले शराब की दुकानें बंद होती हैं। मगर बंगाल में 96 घंटे की शराबबंदी कर दी गई है। मतलब वह सब काम किए जा रहे हैं जो कभी नहीं हुए। हर हाल में चुनाव जीतना है। जिताना है। लेकिन क्या यह जिद, सत्ता की भूख बंगाल तक ही है? अभी तो कई राज्य ऐसे हैं जहां भाजपा का कोई अता पता नहीं है! जैसे बंगाल के मिजाज से भाजपा का मेल नहीं खाता है। वैसे ही इन पांच राज्यों में जहां बंगाल के साथ चुनाव हो रहे हैं केरल और तमिलनाडु में भी भाजपा कहीं नहीं है। क्या अब ऐसा ही हर हाल में चुनाव जीतो अभियान उन सब जगह होगा जहां बीजेपी नहीं है? ऐसे सारे राज्य सीमावर्ती हैं। लेकिन स्थिति की इस नजाकत को क्या बीजेपी समझती है? अब तो यह साफ हो गया है कि बीजेपी को चुनाव जीतने के अलावा और कोई काम नहीं है। और बीजेपी नहीं बीजेपी की केन्द्रीय सरकार को। देश की विदेश की किसी बात से कोई मतलब नहीं। पहले मणिपुर के लोग कहते थे कि क्या हम देश में नहीं हैं? प्रधानमंत्री को हमारी चिंता ही नहीं! मगर अब तो खुद प्रधानमंत्री के लिए विदेश से क्या–क्या कहा जा रहा है उससे भी उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ रहा। और उनके लिए क्या अब तो ट्रंप देश के लिए भी कहने लगा। नरक! जिसे महाकवि इकबाल ने कहा था– सारे जहां से अच्छा! लेकिन इन्हें तो इकबाल के नाम से भी प्राब्लम है तो जिन स्कूलों में गाया जाता था वहां बंद करवा दिया। और कुछ टीचरों के खिलाफ तो इसके लिए मुकदमे तक करवा दिए। सारे जहां से अच्छा हिन्दोस्तां हमारा लिखने वाले का विरोध और भारत को नर्क कहने वाले ट्रंप का ऐसा सम्मान की उसकी जीत के लिए हवन करवाए गए और खुद प्रधानमंत्री मोदी अब की बार ट्रंप सरकार का नारा लगाने लगे। लेकिन हमें नरक कहा तो चलो एक बार बर्दाश्त कर लेते मगर वे तो उससे भी आगे जाकर हमारे जख्मों पर और नमक छिड़क रहे हैं!

चिट्टे के खिलाफ महिलाएं

आमतौर पर नशाखोरी के खिलाफ जब किसी गांव को 'रेड जोन' घोषित किया जाता है, तो यह आधिकारिक तौर पर एक सामाजिक चेतावनी होती है। लेकिन शिमला के कुछ हिस्सों में घोषित यह चेतावनी पुलिस या प्रशासन द्वारा नहीं, बल्कि उन महिलाओं द्वारा जारी की गई है जो परिवारों व समाज को नशे के नासूर से बचाना चाहती हैं। पति हो या बेटा, नशे की हर त्रासदी का त्रास महिलाएं ही भुगतती हैं। वह चाहे किसी अपने को असमय खोना हो या आर्थिक रूप से परिवारिक क्षति हो। यही वजह है कि नशे के खिलाफ अभियान को जमीनी हकीकत बनाने के मकसद से माताएं, बहनें और पत्नियां घर की चौखट से बाहर निकलकर सार्वजनिक रूप से मुखर हुई हैं। महिलाओं के नेतृत्व में चलने वाले इस अभियान को गति देने के लिये सतर्कता समूह बनाये गए हैं। जिसमें नशे के कारोबार और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के लिये रात्रि गश्त भी शामिल है। साथ ही नशे की लत के शिकार लोगों को नशामुक्ति केंद्रों तक ले जाने में पहल की जा रही है। निस्संदेह, महिलाएं पुरुष व्यवहार को समझने में खासी संवेदनशील होती हैं। वे नशा करने वाले किसी पारिवारिक सदस्य के व्यवहार में बदलाव, भावनात्मक टूटन व नशे के कारण होने वाली आर्थिक तंगी पर पैनी दृष्टि रखती हैं। उनके व्यक्तिगत अनुभवों के फलस्वरूप वे आधिकारिक रिपोर्ट आने से पहले ही नशे की लत में जकड़े लोगों को पहचानने का प्रयास करती हैं। निस्संदेह, जमीनी स्तर पर चलाए जा रहे इस अभियान के सार्थक परिणाम आने की उम्मीद जगी है। निर्विवाद रूप से पुलिस व प्रशासन की छापेमारी और गिरफ्तारियां नशे की आपूर्ति पर किसी हद तक अंकुश लगा सकती हैं, लेकिन टूट–बिखर रहे घरों को नहीं बचाया जा सकता। निस्संदेह, नशाखोरी के कई सामाजिक आयाम भी हैं, जिसे सामाजिक स्तर पर पहल करके रोका जा सकता है। रचनात्मक पहल से ही उन कारकों को संबोधित किया जा सकता है जो नशीले पदार्थों को बढ़ावा देते हैं। वाकई सामुदायिक स्तर पर सतर्कता बेहद जरूरी है और महिलाएं इसका नेतृत्व करने में सक्षम भूमिका का निर्वहन कर सकती हैं। सही मायनों में हिमाचल सरकार की 'चिट्टा विरोधी पदयात्रा' और 'महिला मंडलों' की सार्थक पहल का स्वागत किया जाना चाहिए। निस्संदेह, इस रचनात्मक पहल को संस्थागत स्तर भी समर्थन देने की जरूरत है क्योंकि नशे के कारोबार में संगठित गिरोह भी गहरे तक जुड़े रहते हैं। ऐसे में मादक पदार्थों के तस्करों का सामना करने वाली महिलाओं को अपराधियों की धमकी आदि जोखिमों का सामना करना पड़ सकता है। जिसके लिये सक्रिय पुलिसिंग, गवाहों को सुरक्षा देने, नशा मुक्ति के लिए पुनर्वास सुविधाएं और लगातार जागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता भी होगी।

राशि फल

मेष :– नकारात्मक चिन्ताओं को त्याग कर अपनी क्षमताओं पर भरोसा करें। नौकरी–पेशे में अधिकारियों व सहकर्मियों के सहयोग से वातावरण सुखद होगा। राजनैतिक क्षेत्र के व्यक्तियों का सहयोग प्राप्त होगा।

बृषभः– शासन–सत्ता कें लोगों के साथ निकटता बढे.गी। नियोजित परिश्रम द्वारा कार्य सिद्धी के आसार बनेंगे। पुराने संबंधों से लाभ संभव। परिवारिक वातावरण सुखद व उत्साहपूर्ण होगा।

मिथुनः– कठिन एवं विषम परिस्थितियों के मध्य परिश्रम व लगन से प्रगति के ओर अग्रसर होंगे। समाजिक सक्रीयता से मान–प्रतिष्ठा में बृद्धि होगी। घरेलू दायित्वो के प्रति आपकी महत्ता बढे.गी।

कर्कः– कुछ भौतिक आकांक्षाएं अपनी सार्थकता हेतु मन को उद्वेलित करेंगी। निकटस्थ सम्बन्धों में भावनात्मक अपेक्षाएं कष्टकारी हो सकती है। तामसी व गैर कायरे पर आकर्षित मन पर अंकुश लगावें।

सिंहः– कुछ नई इच्छाएं बलवती होंगी। प्रयासरत् क्षेत्रों में संघर्ष संभव परन्तु निराशावादी बिचारों को मन में स्थान न दें। किसी बड़े आयोजन हेतु समुचित व्यवस्था के लिए मन प्रयत्नशील होगा।

कन्याः– नई सफलताओं से खुद की क्षमताओं का ऐहशास होगा। जीविका क्षेत्र में अवरोधों से मन में निराशा संभव भौतिक आकांक्षाओं की पूर्ति में ब्यय की अपेक्षित है। सन्तत्ति एवं सन्तानोत्पत्ति के लिए प्रयास सार्थक होंगे।

तुलाः– किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लाएगी। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव। दुबिधाओं को त्याग कर सही व स्वच्छ योजनाओं पर केन्द्रित हों।

वृश्चिकः– कुछ महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ मन पर प्रभावी होंगी। घरेलू कायरे में ब्यस्तता बढे.गी। परिजनों के सहयोग से मन उत्साहित होगा। हंसमुख स्वभाव से आस–पास वातावरण में प्रसन्नता बिखेरेंगे।

धनुः– सम्बन्धों में ब्यवहारकुशल बनें। समाजिक व मांगलिक कार्यक्रमों में आपकी भागीदारी संभव। कुछ महत्वपूर्ण प्रयत्न की सार्थकता आप में नए उत्साह का संचार करेगा।

मकरः– बिद्यार्थियों के लिए ग्रहों की अनुकूलता लाभप्रद होगी। कुछ महत्वाकांक्षी योजनाएं सार्थक होगी। नवीन आशाएं नवीन उत्साह लाएंगी। कार्य क्षेत्र में सम्बन्धों का भरपूर लाभ मिलेगा।

कुंभः– अन्तमरुखी स्वभाव को त्याग बहिरमुखी बनें। कुछ महत्वपूर्ण अभिलाषाओं की पूर्ति के आसार हैं। परिजनों के सुख–दुख के प्रति मन चिन्तित होगा। कार्य क्षेत्र में ब्यस्तता बढे.गी।

मीनः– पुरानी समस्याओं पर बिजय प्राप्त कर सुखद अनुभूति करेंगे। ग्रहों की अनुकूलता से कोई अवरोधित कार्य हल होने के आसार बनेंगे।समुचित परिश्रम करने में असमर्थ मन परेशान होगा।

उपचुनावः सपा प्रत्याशी नागेन्द्र तिवारी के कार्यालय का उद्घाटन, विकास के वादों पर जोर!

वार्ड 36 में बदलेगा समीकरण ? सपा–कांग्रेस की नजदीकी ने बढ़ाई हलचल

संवाददाता
मिर्जापुर। नगर पालिका के वार्ड नंबर 36 के उपचुनाव ने राजनीतिक सरगर्मी बढ़ा दी है। रविवार शाम समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी नागेन्द्र तिवारी के चुनाव कार्यालय का उद्घाटन सपा जिलाध्यक्ष देवी प्रसाद चौधरी और कांग्रेस शहर अध्यक्ष राजन पाठक ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। कार्यक्रम में बूथ अध्यक्षों, सेक्टर अध्यक्षों और कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी से स्वागत किया। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए सपा जिलाध्यक्ष ने विश्वास जताया कि इस चुनाव में पार्टी को व्यापक समर्थन मिलेगा और वार्ड में विकास कार्यों को नई गति दी जाएगी। उन्होंने कहा कि जनता बदलाव चाहती है और इस बार परिणाम उसी दिशा में जाएंगे।प्रत्याशी नागेन्द्र तिवारी ने कहा कि पार्टी नेतृत्व द्वारा उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसे

पूरी निष्ठा से निभाने का प्रयास करेंगे। उन्होंने क्षेत्र के विकास, मूलभूत सुविधाओं में सुधार और जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का संकल्प व्यक्त किया। इस दौरान भाजपा की नीतियों पर भी सवाल उठाए गए और आरोप लगाया गया कि पूर्व सभासद के कार्यकाल में वार्ड में अपेक्षित विकास नहीं हो सका। कार्यक्रम में सपा और कांग्रेस कार्यकर्ताओं की मौजूदगी ने चुनावी समीकरणों को दिलचस्प बना दिया है। अब नजर इस बात पर है कि जनता किसे अपना समर्थन देती है।

दादरा गांव में अकृषिक भूमि पर खड़ी गेहूं की फसल की आज होगी नीलाम

संवाददाता
मुसाफिरखाना तहसील प्रशासन की ओर से ग्राम दादरा स्थित अकृषिक भूमि पर खड़ी गेहूं की फसल की नीलामी मंगलवार को कराई जाएगी। यह नीलामी पंचायत भवन दादरा में अपराह्न तीन बजे आयोजित होगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गांव की गाटा संख्या 242 में दर्ज श्रेणी (4) अकृषिक भूमि पर गेहूं की फसल बोई गई है। प्रशासन द्वारा उक्त फसल की सार्वजनिक नीलामी कराने का निर्णय लिया गया है। तहसील प्रशासन ने ग्राम पंचायत स्तर पर नीलामी की सूचना का व्यापक प्रचार–प्रसार कराने के निर्देश दिए हैं, ताकि अधिक से अधिक इच्छुक लोग नीलामी प्रक्रिया में भाग ले सकें। नीलामी की प्रक्रिया नायब तहसीलदार मुसाफिरखाना राम लखन वर्मा की देखरेख में संपन्न कराई जाएगी।

पुलिस अधीक्षक ने पुलिस कार्यालय में की जनसुनवाई

शिकायतों के निस्तारण के दिए निर्देश

संवाददाता
अमेठी। पुलिस कार्यालय गौरीगंज में सोमवार को पुलिस अधीक्षक अमेठी सरवणन टी. द्वारा जनसुनवाई की गई। इस दौरान कार्यालय पहुंचे फरियादियों की समस्याओं को सुना गया। पुलिस अधीक्षक ने प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाए, जिससे लोगों का पुलिस व्यवस्था पर विश्वास मजबूत हो।

भागे थे इश्क में, लौटे रिश्तों में, पंचायत ने दिलों को दी मंजूरी!

संवाददाता
मिर्जापुर। जिले के चील्ह थाना क्षेत्र में एक प्रेम कहानी ने फिल्मी मोड़ लेते हुए आखिरकार "हैप्पी एंडिंग" पा लीकृवो भी पूरे गांव और परिवार की मौजूदगी में। पहले प्यार हुआ, फिर घरवालों से बचकर दिल्ली भागे, और अंत में वही घरवाले बाराती

बन गए! दीपनगर पटेहरा गांव के रोहित यादव और खुलूवा गांव की खुशबू यादव उर्फ संगीता के बीच रिश्ता तो पहले से ही "रिश्तेदारी वाला" था, लेकिन दिल ने अलग ही स्क्रिप्ट लिख दी। चोरी–छिपे मिलने से शुरू हुई कहानी सीधे दिल्ली तक पहुंच गई। जब घरवालों को भनक लगी, तो खोजबीन ऐसी चली कि दोनों दिल्ली स्टेशन पर ही "पकड़" लिए गए। इसके बाद मामला थाने पहुंचा, जहां घंटों पंचायत चली। परिजनों ने समझाया, डराया, मनायाकृ लेकिन प्यार के आगे सब फेल। आखिरकार परिवार ने भी सोचा, "जब मानना ही है तो धूमधाम से मानते हैं!" फिर क्या थाकृ जगदीशपुर के शिव मंदिर में भगवान को साक्षी मानकर सात फेरे लिए गए और प्रेम कहानी को वैधता की मुहर मिल गई। गांव में अब यह चर्चा जोरों पर है कि "जो भागे थे चुपके से, वो लौटे दूल्हा–दुल्हन बनके!" प्यार की इस कहानी ने एक बार फिर साबित कर दियाकृआखिर में जीत दिल की ही होती है, बस थोड़ा ड्रामा जरूरी है।

किताबों से निकलकर फैक्ट्री तक, एपेक्स फार्मेसी के छात्रों ने सीखी दवा निर्माण की असली दुनिया!

संवाददाता
मिर्जापुर। Apex Institute of Pharmacy के छात्रों ने इस बार पढ़ाई को सिर्फ क्लासरूम भागीदारी की। प्रधानाचार्य प्रो. डॉ. सुनील मिस्त्री के निर्देशन में आयोजित इस भ्रमण के दौरान छात्रों ने Krishna – Murti निर्माण के दौरान अपनाए जाने वाले सुरक्षा मानकों और गुणवत्ता नियंत्रण की जानकारी दी गई। संस्थान के चेयरमैन प्रो. डॉ.

तक सीमित नहीं रखा, बल्कि औद्योगिक इकाइयों के भ्रमण के जरिए दवा निर्माण की वास्तविक प्रक्रिया को करीब से समझा। एपेक्स वेलकेयर ट्रस्ट के तहत आयोजित इस शैक्षिक भ्रमण में बी.फार्म छठे सेमेस्टर और डी.फार्म प्रथम वर्ष के छात्र–छात्राओं ने सक्रिय Pharmaceutical Pvt. Ltd. का दौरा किया। यहां उन्होंने उत्पादन प्रबंधन, टेस्टिंग लैब, दवा निर्माण और पैकेजिंग की बारीकियों को नजदीक से देखा और समझा। प्रो. डॉ. अभय कुमार वर्मा, प्रो. योगेश शर्मा और प्रो. निर्भय कुमार के मार्गदर्शन में छात्रों को दवा एस.के. सिंह ने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी दौर में केवल सैद्धांतिक ज्ञान पर्याप्त नहीं है, बल्कि व्यावहारिक अनुभव भी उतना ही जरूरी है। ऐसे शैक्षिक भ्रमण छात्रों को उद्योग की वास्तविक चुनौतियों से परिचित कराते हैं और उन्हें भविष्य के लिए तैयार करते हैं।

"दागी छवि" पर भाजपा ने किया सर्जिकल स्ट्राइक!

मिर्जापुर BJP में कार्रवाई का तूफान, निकाले गए नेता, उठे दोहरे मापदंड के सवाल

संवाददाता
मिर्जापुर। जनपद में भाजपा ने संगठनात्मक अनुशासन का डंडा चलाते हुए जिला मंत्री श्याम सिंह यादव और कार्यसमिति सदस्य चंद्र भूषण उपाध्याय को पद से मुक्त कर दिया। वजहकृगंभीर आपराधिक आरोप। जिलाध्यक्ष लाल बहादुर सरोज ने बताया कि यह कदम प्रदेश नेतृत्व और काशी क्षेत्र अध्यक्ष दिलीप पटेल की सहमति से उठाया गया है। खाली हुई कुर्सी पर वीरेंद्र प्रताप यादव उर्फ काजू की ताजपोशी भी फौरन हो गईकृ यानी 'क्लीन–अप' और 'रीप्लेसमेंट' साथ–साथ। लेकिन कहानी यहीं खत्म नहीं होती। हिस्ट्रीशीटर बताए जा रहे श्याम सिंह यादव पर हत्या समेत दो दर्जन से ज्यादा मुकदमे, और चंद्र भूषण उपाध्याय पर धोखाधड़ी के केसकृऐसे में कार्रवाई लाजिमी दिखती है। पर खुद श्याम सिंह ने फैसले को "स्वीकार" करते हुए तीर

छोड़ा, "कार्रवाई सिर्फ हम पर ही क्यों?" उन्होंने पार्टी के ही कुछ पदाधिकारियों पर गंभीर धाराओं के मुकदमों का हवाला देकर 'चयनात्मक न्याय' का सवाल खड़ा कर दिया। सियासी गलियारों में चर्चा है कि क्या यह सचमुच 'इमेज क्लीनिंग ड्राइव' है या फिर अंदरूनी समीकरणों का खेल? उधर संगठन अनुशासन की दुहाई दे रहा है, इधर आरोपों की फेहरिस्त लंबी होती जा रही है। नतीजा ये है कि मिर्जापुर की राजनीति में तापमान बढ़ गया है। अब निगाहें इस पर हैं कि कार्रवाई यहीं थमेगी या 'साफ–सफाई' का यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

ड्रमंडगंज हादसा: शोक संतप्त परिजनों से मिलकर सपा प्रतिनिधिमंडल ने जताई संवेदना

संवाददाता
मिर्जापुर। जिले के ड्रमंडगंज घाटी में 22 अप्रैल को हुआ भीषण सड़क हादसा पूरे इलाके को शोक में डुबो गया। ट्रक और बोलेरो की आमने–सामने हुई टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बोलेरो पलभर में आग का गोला बन गई। इस हादसे में कुल 12 लोगों की मौत हो गई, जिनमें एक ही परिवार के 8 सदस्य शामिल हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के

अनुसार, टक्कर के तुरंत बाद बोलेरो में आग लग गई और उसमें सवार 9 लोग जिंदा जल गए। किसी को बचने का मौका तक नहीं मिला। मौके पर पहुंची पुलिस और स्थानीय लोगों ने राहत–बचाव का प्रयास किया, लेकिन तब तक सब कुछ खत्म हो चुका था। हादसे के बाद गांव में मातम पसरा है। पीड़ित परिवारों का रो–रोकर बुरा हाल है। घटना की जानकारी मिलते ही जनप्रतिनिधियों का पहुंचना शुरू हो गया। अखिलेश यादव के निर्देश पर पूर्व सांसद बाल कुमार पटेल और सपा जिलाध्यक्ष देवी प्रसाद चौधरी ने परिजनों से मुलाकात कर संवेदना जताई। इसके अलावा पूर्व सांसद रमेश चंद बिंद ने भी मौके पर पहुंचकर हर संभव मदद का आश्वासन दिया। प्रशासन ने राहत और मुआवजा प्रक्रिया शुरू कर दी है, साथ ही हादसे के कारणों की जांच जारी है। यह दुर्घटना घाटी मार्गों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर रही है।

गड्ढों से त्रस्त मिर्जापुर, चेयरमैन सख्त, जलनिगम को टोल फ्री नंबर जारी करने का निर्देश

संवाददाता
मिर्जापुर। नगर में जल निगम के अधूरे कार्यों से बढ़ती समस्याओं पर नगर पालिका अध्यक्ष श्यामसुंदर केशरी ने कड़ा रुख अपनाया है। पालिका कार्यालय में आयोजित बैठक में उन्होंने जलनिगम अधिकारियों को फटकार लगाते हुए कहा कि जगह–जगह खोदे गए गड्ढों से पाइपलाइन और सीवर क्षतिग्रस्त हो रहे हैं, जिससे आम जनता को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।चेयरमैन ने स्पष्ट निर्देश दिया कि जनता की शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए जलनिगम तत्काल टोल फ्री नंबर जारी करे, ताकि समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण हो सके। उन्होंने यह भी कहा कि कई स्थानों पर गड्ढे भरने के बाद सड़क की मरम्मत तक नहीं की गई, जिससे हालात और बदतर हो गए हैं। बैठक में

अधिकारियों को रोजाना एक घंटा पालिका कार्यालय में बैठकर शिकायतें सुनने का निर्देश दिया गया। साथ ही बारिश से पहले सभी कार्य हर हाल में पूरा करने का अल्टीमेटम दोहराया गया। चेयरमैन ने चेताया कि यदि इसके बाद भी समस्याएं बनी रहीं, तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। बैठक में सभासदों और जलनिगम के कई अधिकारी मौजूद रहे।

मानदेय को लेकर मिर्जापुर में पंचायत सहायकों का फूटा गुस्सा, डिजिटल इंडिया पर तंज!

संवाददाता
मिर्जापुर। जिले में पंचायत सहायकों ने साफ चेतावनी दे दी है कि अगर समय पर मानदेय नहीं मिला तो गांवों का

"डिजिटल इंजन" ही ठप पड़ जाएगा। पंचायत सहायक कर्मचारी यूनियन ने प्रेस नोट जारी कर कहा कि जिनके भरोसे ग्राम पंचायतों का पूरा सिस्टम ऑनलाइन चल रहा है, उनका खुद का जीवन अब भी ऑफलाइन अटका हुआ है। जिला अध्यक्ष कृष्णा जायसवाल ने कहा कि पिछले पांच साल से काम कर रहे पंचायत सहायकों को समय से मानदेय तक नहीं मिलता। मांग रखी गई कि हर महीने की पहली पांच तारीख तक भुगतान सुनिश्चित हो, ताकि कर्मचारियों को रोजमर्रा के खर्च के लिए उधार न मांगना पड़े। पहचान पत्र की कमी भी बड़ा मुद्दा बनी हुई है। बिना आईडी कार्ड गांवों में काम करना मुश्किल हो रहा है। वहीं, सचिवालयों की हालत भी सवालों के घेरे में हैकृन ठीक से इंटरनेट, न वाई–फाई, और कई जगह तो नेटवर्क पकड़ने के लिए मोबाइल खिड़की या पेड़ तक ले जाना पड़ता है। स्मार्टफोन, स्टेशनरी और बुनियादी सुविधाओं की मांग के साथ कर्मचारियों ने यह भी कहा कि एक पंचायत सहायक से हर काम करवाना संभव नहीं। भीषण गर्मी में काम के लिए जरूरी संसाधन मुहैया कराने की भी मांग उठी है। यूनियन ने साफ कहा कि गांवों में विकास की असली जिम्मेदारी उन्हीं के कंधों पर है, लेकिन हालात ऐसे हैं कि "सपना भारी है और जेब हल्की।"

गौ सम्मान दिवस पर मड़िहान में जुटी भीड़, गौ रक्षा के लिए राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापन

संवाददाता
पटेहरा, मिर्जापुर। जिले के मड़िहान तहसील मुख्यालय पर गौ सम्मान दिवस के अवसर पर सैकड़ों लोगों ने एकजुट होकर गौ संरक्षण के समर्थन में आवाज बुलंद की। कार्यक्रम के तहत राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन तहसीलदार को सौंपा गया, जिसमें गौ हत्या पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने और गौ माता

के सम्मान को संवैधानिक दायरे में मजबूत करने की मांग की गई। ज्ञापन में गौ माता को "राष्ट्र माता", "राष्ट्र धरोहर" जैसे सम्मानित दर्जे देने, केंद्रीय स्तर पर गौ सेवा मंत्रालय गठन करने और पूरे देश में एक समान कानून लागू करने की मांग प्रमुख रूप से उठाई गई। साथ ही गोबर बोर्ड के गठन, चारा सुरक्षा नीति तय करने और गौ आधारित कृषि को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया गया। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने पंचगव्य उत्पादों के निर्माण और वितरण को बढ़ावा देने की भी वकालत की। इस दौरान गौ सेवा और संरक्षण को लेकर सामूहिक संकल्प लिया गया। ज्ञापन सौंपने वालों में गंगासागर दुबे, रामचंद्र शुक्ल, संतोष तिवारी, अनिल पांडेय, अभय शंकर मिश्र सहित कई गणमान्य लोग शामिल रहे।

ड्रमंडगंज हादसा: MLC विनीत सिंह ने पीड़ित परिवारों से मिलकर दिया सहारा

संवाददाता
मिर्जापुर। जिले के ड्रमंडगंज घाटी में हुए भीषण सड़क हादसे

के बाद पीड़ित परिवारों से मिलने विधान परिषद सदस्य विनीत सिंह पहुंचे। उन्होंने हादसे में जान गंवाने वालों के परिजनों से मुलाकात कर शोक व्यक्त किया और हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। MLC ने कहा कि जो लोग इस हादसे में चले गए, उनकी भरपाई संभव नहीं है, लेकिन उनके बच्चों के भविष्य के लिए सरकारी योजनाओं के माध्यम से सहायता सुनिश्चित की जाएगी। इस दर्दनाक हादसे में बोलेरो सवार सभी 9 लोग जिंदा जल गए थे, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल थे। इस दौरान विनीत सिंह ने पीड़ित परिवारों को 50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता भी प्रदान की। उनके साथ प्रेम बहादुर सिंह, धर्मजीत सिंह समेत कई लोग मौजूद रहे।

स्वास्थ्य सेवाओं पर डीएम का सख्त एक्शन, लापरवाही पर चेतावनी

संवाददाता
मिर्जापुर। जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार ने स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को लेकर कड़ा रुख अपनाते हुए जिला स्वास्थ्य समिति, विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान और जिला आयुष समिति की समीक्षा बैठक की। कलेक्ट्रेट सभागार में हुई बैठक में उन्होंने साफ निर्देश दिया कि सभी योजनाओं में शत–प्रतिशत लक्ष्य हासिल किया जाए और किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। डीएम ने आशा और एएनएम के माध्यम से गांव–गांव तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने, 70 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों और पात्र लाभार्थियों के आयुष्मान कार्ड प्राथमिकता पर बनाने के निर्देश दिए। साथ ही सीएचसी और पीएचसी केंद्रों पर डॉक्टरों की उपस्थिति, दवाओं की उपलब्धता और साफ–सफाई सुनिश्चित करने पर जोर दिया। बैठक में आयुष्मान भारत, जननी सुरक्षा योजना, टीकाकरण, मातृ–शिशु स्वास्थ्य और परिवार कल्याण कार्यक्रमों की गहन समीक्षा की गई।

बेटियों के सपनों को मिला पंख : अदलहाट कॉलेज में 'कन्या सुमंगला योजना' पर जागरूकता कार्यक्रम

संवाददाता
मिर्जापुर। जनपद के अदलहाट स्थित लालता सिंह राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय में सोमवार को मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना को लेकर विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य प्रो. सुरेंद्र सिंह यादव ने की, जिसमें स्नातक प्रथम वर्ष में प्रवेश लेने वाली छात्राओं को योजना से जुड़ी अहम जानकारी दी गई। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य 12वीं के बाद उच्च शिक्षा में प्रवेश लेने वाली छात्राओं को योजना की पात्रता, लाभ और ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया से अवगत कराना था। प्राचार्य ने कहा कि यह योजना बेटियों के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में सरकार की महत्वपूर्ण पहल है और इसका अधिकतम लाभ उठाया जाना चाहिए। इस दौरान प्रो. गोमतेश्वर पाल, डॉ. अंजू सोनकर, डॉ. राजकुमार सिंह, डॉ. प्रेमलता और डॉ. प्रणव कुमार गौरव ने भी छात्राओं को आवेदन प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेज और समय–सीमा की विस्तृत जानकारी दी। छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सवाल पूछे, जिनका शिक्षकों ने सरल भाषा में समाधान किया। कार्यक्रम के अंत में छात्राओं को योजना का लाभ लेकर अपनी शिक्षा को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया गया।

हिन्दी साप्ताहिक
सत्य शिला
लखनऊ, मंगलवार 28 अप्रैल 2026

डीएम ने जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण किया

कूलर बंद, पेयजल ठप और स्टाफ की कमी पर जताई नाराजगी

संवाददाता

उरई/जालौन। जालौन में सोमवार को डीएम राजेश कुमार पांडेय ने उरई के पुरुष जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की हकीकत परख ली। निरीक्षण के दौरान अस्पताल की कई गंभीर खामियां सामने आईं, जिस पर डीएम ने कड़ी नाराजगी जताते हुए तत्काल सुधार के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान सबसे बड़ी लापरवाही पेयजल व्यवस्था में देखने को मिली। अस्पताल परिसर में लगे वाटर कूलर बंद पड़े मिले और मरीजों व तीमारदारों को भीषण गर्मी में पीने के पानी के लिए परेशान होना पड़ रहा था। डीएम ने खुद मौके पर जाकर वाटर कूलरों की स्थिति जांची और संबंधित अधिकारियों को फटकार लगाई। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि पेयजल व्यवस्था को तुरंत सुचारु किया जाए, ताकि मरीजों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। वार्डों का निरीक्षण करने पर कई जगह कूलर बंद मिले, जिससे मरीजों को गर्मी में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। इस पर डीएम ने नाराजगी जताते हुए गर्मी के मौसम को देखते हुए अतिरिक्त एसी और कूलर की व्यवस्था करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि मरीजों को राहत देना प्राथमिकता होनी चाहिए और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। ओपीडी का निरीक्षण करने पर कर्मचारियों की कमी सामने आई, जिसके चलते मरीजों की लंबी कतारें लगी हुई थीं। भीड़ को नियंत्रित करने में अस्पताल प्रशासन नाकाम नजर आया। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (सीएमएस) आनन्द उपाध्याय को इस स्थिति के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए डीएम ने तत्काल मैनपावर बढ़ाने और व्यवस्था को सुचारु करने के निर्देश दिए। डीएम राजेश कुमार पांडेय ने साफ कहा कि अस्पताल में आने वाले हर मरीज को बेहतर सुविधाएं मिलनी चाहिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को चेतावनी दी कि यदि व्यवस्थाओं में जल्द सुधार नहीं हुआ, तो सख्त कार्रवाई की उप जाएगी। इस निरीक्षण के बाद स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया है और अस्पताल प्रशासन व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने में जुट गया है।

22वीं मंजिल से छलांग... नोएडा में टेक कंपनी के डायरेक्टर ने दे दी जान

संवाददाता

नोएडा। उत्तर प्रदेश के नोएडा में अलग–अलग घटनाओं में एक कंपनी के निदेशक समेत चार लोगों ने कथित रूप से आत्महत्या कर ली। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि सेक्टर 39 थानाक्षेत्र में सेक्टर 107 की एक सोसाइटी में एक कंपनी के निदेशक ने कथित रूप से 22 वीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर लिया। सेक्टर 39 के थाना प्रभारी निरीक्षक डी पी शुक्ल ने बताया कि 22वीं मंजिल पर अपने परिवार के साथ रह रहे सजल मेहरोत्रा (37) ने रविवार को नीचे छलांग लगा दी जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए ले गयी। उन्होंने बताया कि उनकी पत्नी और परिचितों से पूछताछ कर पुलिस पता लगाने का प्रयास कर रही है कि उन्होंने आत्महत्या क्यों की। फेस –3 थाने के प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार सिंह ने बताया कि मामूरा गांव में सुलभ गंगवार (23) ने बीती रात को फांसी लगा ली। उन्होंने बताया कि पुलिस शव का पोस्टमार्टम करवा रही है। सेक्टर 63 के थाना प्रभारी निरीक्षक अमित काकरान ने बताया कि मुनी देवी (38) ने अपने घर पर फांसी लगा ली। उन्होंने बताया कि पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए ले गयी। नॉलेज पार्क के थाना प्रभारी निरीक्षक सर्वेश कुमार सिंह ने बताया कि इस थानाक्षेत्र में रोशनी (28) ने फांसी लगा ली। उन्होंने बताया कि पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए ले गयी।

कार में लगी आग, एमकल ने 30 मिनट में पाया काबू

संवाददाता

नोएडा। बिजली के खंबे के नीचे खड़ी एक कार में आग लग गई। कार पूरी तरह से जलकर राख हो गई। आग बिजली के खंबे की विद्युत वायरिंग गिरने की वजह से लगी। घटना रविवार देर रात करीब साढ़े 12 बजे के आसपास हुई। मौके पर मौजूद लोगों ने इसकी जानकारी पुलिस और दमकल विभाग को भेजी। बिजली सप्लाई को बंद किया गया है। जिसके बाद दमकल की एक गाड़ी ने आग पर काबू पाया। आग अन्य गड़ियों तक नहीं पहुंची। आग पर करीब 30 मिनट में काबू पा लिया गया। कार को क्रेन की मदद से हटाया गया। इस दौरान बिजली सप्लाई बंद रही। जिसके बाद बिजली के तारों को जोड़ा गया। सीएफओ प्रदीप चौबे ने बताया कि ये घटना सेक्टर 121 गड़ी चौखंडी, अजनारा होम्स के पास हुई। यहां बाहर रोड पर खड़ी गाड़ी में आग लगने की सूचना मिली। फायर स्टेशन से एक गाड़ी रवाना की गई। वहां पहुंच कर देखा गया कि आग एक होंडा अमेज गाड़ी नंबर डीएल1सीजेड6914 पेट्रोल और सीएलजी 2018 उवकमस में लगी थी। बिजली के खंबे के पास खड़ी थी। जिसमें विद्युत वायरिंग गिरने के कारण आग लग गई थी। कार में कोई नहीं था। आग को बुझा दिया गया।

गुरुकुल विद्यालय ने बोर्ड परीक्षा में शानदार प्रदर्शन किया

संवाददाता

बांदा। जसपुरा क्षेत्र के सबादा स्थित गुरुकुल विद्यालय ने इस वर्ष बोर्ड परीक्षाओं में शानदार प्रदर्शन किया है। विद्यालय का कुल परीक्षा परिणाम 93.16 प्रतिशत रहा, जिससे छात्र–छात्राओं, अभिभावकों और शिक्षकों में खुशी की लहर दौड़ गई। विद्यालय ने एक बार फिर अपने ही रिकॉर्ड को तोड़ते हुए क्षेत्र में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। छात्रों की लगन, परिश्रम और अध्यापकों की कार्यकुशलता ने इस सफलता को संभव बनाया। इस उपलब्धि के उपलक्ष्य में विद्यालय परिसर में एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इसमें सभी सफल विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को मिठाई खिलाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के प्रबंधक राजू साहू ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि यह सफलता उनकी कड़ी मेहनत और शिक्षकों के उचित मार्गदर्शन का परिणाम है। उन्होंने विद्यार्थियों को भविष्य में भी इसी लगन और परिश्रम के साथ पढ़ाई जारी रखने के लिए प्रेरित किया। साहू ने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि निरंतर प्रयास और अनुशासन ही सफलता की कुंजी है। इस अवसर पर विद्यालय स्टाफ और बड़ी संख्या में अभिभावक भी उपस्थित रहे, जिन्होंने बच्चों की इस उपलब्धि पर गर्व व्यक्त किया।

स्मार्ट मीटर के विरोध में बेलन गैंग का कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन

संवाददाता

बांदा। जनपद में बेलन गैंग की सैकड़ों महिलाओं ने स्मार्ट मीटर के विरोध में प्रदर्शन किया। उन्होंने हाथों में बेलन लेकर कलेक्ट्रेट पहुंचकर जिलाधिकारी कार्यालय के सामने धरना दिया और जमकर नारेबाजी की। महिलाओं ने स्मार्ट मीटर नीति को काला कानून बताया और इसे किसी भी कीमत पर उखड़वाने का ऐलान किया। उन्होंने आरोप लगाया कि विद्युत विभाग के कार्यालय में उनकी सुनवाई नहीं हो रही है। प्रदर्शनकारी महिलाओं ने पीली कोठी उपखंड के एसडीओ और एक्सईएन पर भ्रष्टाचार और गरीबों का आर्थिक शोषण करने का आरोप लगाया। उनका कहना था कि स्मार्ट मीटर के कारण गरीब लोग इस गर्मी में परेशान हो रहे हैं। महिलाओं ने बताया कि एडवांस पैसा जमा होने के बावजूद तीन–तीन दिनों तक बिजली का कनेक्शन नहीं दिया जा रहा है, जिससे भीषण गर्मी में छोटे बच्चे बेहाल हैं।

स्मार्ट मीटर के बढ़ते बिलों और अचानक कनेक्शन कट जाने से उपभोक्ता परेशान हैं। कलेक्ट्रेट में लगभग एक घंटे तक चले इस धरने के दौरान सिटी मजिस्ट्रेट और बेलन गैंग की कमांडर पुष्पा गोस्वामी के बीच तीखी बहस भी हुई। बेलन गैंग की महिलाओं ने चेतावनी दी है कि यदि एक सप्ताह के भीतर स्मार्ट मीटर नहीं हटाए गए, तो वे एक बड़ा आंदोलन शुरू करेंगी।

महिला अस्पताल गली में 'मरीज माफिया' का जाल

मरीजों को बहला–फुसलाकर निजी अस्पतालों और अवैध जांच केंद्रों तक पहुंचाते

संवाददाता

बस्ती। जिला महिला अस्पताल के सामने की गली में मरीज माफिया सक्रिय हैं। ये लोग मरीजों को बहला–फुसलाकर निजी अस्पतालों और अवैध जांच केंद्रों तक पहुंचाते हैं। सीएमओ डॉ. राजीव निगम ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं। सोमवार दोपहर करीब 12 बजे एक दुकान में दो महिलाएं बैठी मिलीं, जहां श्रीराम मेडिकल एंड मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल के लेटर पैड बड़ी संख्या में रखे थे। दुकान के बाहर हरा पर्दा लगा था, लेकिन कोई बोर्ड नहीं था। ठीक सामने एक अन्य दुकान में लैब और अल्ट्रासाउंड सेंटर संचालित होता मिला। वहां मौजूद युवक डॉक्टर के बारे में पूछने पर बिना जवाब दिए निकल गए। जांच के दौरान गली में कई छोटी दुकानों में अल्ट्रासाउंड मशीनें और पैथोलॉजी सेंटर चलते पाए गए। टीम के पहुंचते ही कुछ स्थानों पर मरीजों को बाहर निकाल दिया गया, जबकि कई संचालक मौके से फरार हो गए। इसी बीच, एक युवक ने खुद को एक संगठन का जिलाध्यक्ष बताते हुए कैमरा बंद कराने की कोशिश की और धमकी दी। यह पूरी घटना खुफिया कैमरे में रिकॉर्ड हो गई। हैरानी की बात यह रही कि पास ही डायल 112 पुलिस की मौजूदगी के बावजूद ये अवैध गतिविधियां बेखौफ जारी थीं। सीएमओ डॉ. राजीव निगम ने इस मामले को गंभीर बताया है। उन्होंने कहा कि प्रकरण की जांच कराई जाएगी और यदि अवैध गतिविधियां पाई जाती हैं तो संबंधितों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

दबंगों ने घर में घुसकर की मारपीट, युवक, मां–बहन को पीटा, युवती का हाथ टूटा

संवाददाता

बांदा। जिले के बिलहरका गांव में दबंगों ने एक घर में घुसकर युवक, उसकी मां और बहन के साथ मारपीट की। इस घटना में युवती का हाथ टूट गया। पीड़ित परिवार ने पुलिस अधीक्षक से न्याय की गुहार लगाई है। पीड़ित राहुल सिंह ने पुलिस अधीक्षक को दिए शिकायत पत्र में बताया कि यह घटना 23 तारीख को रात करीब 9 बजे हुई। राहुल घर के बाहर बैठे थे, तभी 7–8 दबंग उनके घर में घुस आए और उन पर हमला कर दिया। जब उनकी बहन और मां उन्हें बचाने आईं, तो हमलावरों ने उनके साथ भी मारपीट की, जिससे राहुल की बहन का हाथ टूट गया। राहुल सिंह के अनुसार, आरोपी शराब के नशे में अक्सर गाली–गलौज और उत्पात मचाते रहते हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पूर्व में थाने में शिकायत करने के बावजूद पुलिस ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की थी। न्याय न मिलने पर पीड़ित परिवार आज बांदा पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचा और सुरक्षा तथा न्याय की मांग की। पुलिस अधीक्षक ने मामले का संज्ञान लेते हुए कर्तल थाना पुलिस को तत्काल जांच और आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

सड़क हादसे में एक आदमी की मौत, दूसरा गंभीर रूप से घायल

संवाददाता

उरई/जालौन। जालौन जिले में सोमवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक मजदूर की मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना सुबह करीब छह बजे उमरीदकुठौंद मार्ग पर निजामपुर बंबा के पास की है, जहां तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने बाइक सवार दो मजदूरों को जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि बाइक के परखच्चे उड़ गए। सूचना पर पहुंची पुलिस और स्थानीय लोगों ने दोनों घायलों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कुठौंद में भर्ती कराया, जहां चिकित्सकों ने एक को मृत घोषित कर दिया, जबकि दूसरे की हालत नाजुक होने पर उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। जानकारी के अनुसार, दोनों घायल कुठौंद थाना क्षेत्र के ग्राम हुसेपुरा सुरई के निवासी थे। मृतक की पहचान छुन्ना बाबू (55 वर्ष) पुत्र मदाली निवासी हुसेपुरा सुरई थाना कुठौंद के रूप में हुई है, जबकि घायल का नाम प्रदीप बाबू (33 वर्ष) पुत्र रामशरण है, जिसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। दोनों मजदूर एचएफ डीलक्स बाइक (यूपी 92 एएस 9804) से रोज की तरह मजदूरी करने उरई जा रहे थे, लेकिन यह यात्रा एक के लिए आखिरी साबित हुई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और अज्ञात वाहन की तलाश शुरू कर दी है। आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है और क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, ताकि फरार वाहन चालक का पता लगाया जा सके। हादसे की खबर मिलते ही परिजन रो–रोकर बेहाल हैं। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि आरोपी वाहन चालक को जल्द गिरफ्तार कर सख्त कार्रवाई की जाए।

घर में घुसकर महिला को पीटा, वीडियो आया सामने

संवाददाता

उरई/जालौन। जालौन के कालपी कोतवाली क्षेत्र के रामगंज मोहल्ले में एक ही परिवार के दबंगों ने घर में घुसकर एक महिला को बेरहमी से पीटा और उसको जिंदा जलाने की कोशिश की, जिसने पूरे इलाके में दहशत और आक्रोश का माहौल पैदा कर दिया है। वही घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पुलिस द्वारा आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई न किए जाने से महिला दहशत में है और न्याय की गुहार लगा रही है। कालपी कोतवाली के मोहल्ला रामगंज करे रहने वाली पीड़िता यासमीन उर्फ मुन्नी पत्नी असद पठान ने कोतवाली में प्रार्थना पत्र देकर बताया कि 27 अप्रैल 2026 की सुबह करीब 8 बजे वह अपने घर के अंदर मौजूद थी। इसी दौरान उसके घर परिवार के पड़ोस में रहने वाले आरिफ, आसिफ पुत्रगण रहमत, फहमीदा पत्नी रहमत, कासिम उर्फ मुन्ना पुत्र आरिफ, माविया पत्नी आरिफ तथा अहमद पुत्र स्वर्गीय रहमत उसके दरवाजे को बंद करके किचन का निर्माण करने लगे। जिसका विरोध पीड़िता ने किया तो सभी ने मिलकर उस पर हमला कर दिया। पीड़िता के अनुसार, आरोपियों ने लात–घूंसों, थप्पड़ों और डंडों से बेरहमी से मारपीट की, साथ ही गाली–गलौज भी की। इतना ही नहीं, आरोप है कि हमलावरों ने उसे जिंदा जलाने की कोशिश की और जान से मारने की धमकी दी। घटना के दौरान महिला हमलावरों के सामने रहम की गुहार लगाती रही, लेकिन दबंगों का अत्याचार जारी रहा। इस पूरी घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल बताया जा रहा है। पीड़िता ने अपने पति असद पठान पर भी गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि उनके पति भी विपक्षियों का साथ दे रहे हैं, क्योंकि उन पर परिवार का कर्ज है। साथ ही उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है और पागल घोषित करने की धमकी दी जा रही है। मामले में पुलिस ने पीड़िता की तहरीर के आधार पर मारपीट समेत विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है, लेकिन अभी तक किसी भी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। इससे पीड़िता भय के साए में जीने को मजबूर है।

चौधरी त्रिवेणी राम कॉलेज में छात्राओं का सम्मान

ट्रैक्टर–ट्रॉली पलटने से 15 महिलाएं घायल, 5 को ग्वालियर रेफर

संवाददाता

उरई/जालौन। नदीगांव में 27 अप्रैल 2026 को एक ट्रैक्टर–ट्रॉली पलटने से 15 महिलाएं घायल हो गईं। यह हादसा थाना क्षेत्र नदीगांव के ग्राम रंजीत के डेरा के पास दोपहर में हुआ। महिलाएं रतगढ़ माता मंदिर से जवारे चढ़ाकर ग्राम कुरचौली लौट रही थीं। इसी दौरान उनकी ट्रैक्टर–ट्रॉली अचानक अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई। घायलों में रीना कुशवाहा, केशकली, छोटी बाई, कटोरी, कुशमा, लक्ष्मी, मुस्कान, अंजली, सैजल, अनीता, राजवती, मन्नू देवी, सरोज, कृष्णा देवी और ढकेली शामिल हैं। सभी को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) नदीगांव में भर्ती कराया गया, जहां उन्हें प्राथमिक उपचार दिया गया। डॉक्टरों ने केशकली, कटोरी, सरोज, राजवती और कुशमा की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर ग्वालियर रेफर कर दिया। परिजन उन्हें ग्वालियर मेडिकल कॉलेज ले गए हैं। गंभीर घायलों की सहायता के लिए नदीगांव थाने से एक उपनिरीक्षक और दो पुलिसकर्मी भी ग्वालियर भेजे गए हैं। बताया जा रहा है कि ट्रैक्टर उमेश कुमार पुत्र अमर सिंह कुशवाहा निवासी ग्राम कुरचौली चला रहा था। पुलिस ने ट्रैक्टर–ट्रॉली को कब्जे में ले लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। हादसे के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने सड़क को तुरंत खाली कराकर यातायात सुचारू कराया।

हाईस्कूल, इंटरमीडिएट में अच्छे अंक लाने पर प्रशस्ति पत्र दिए

संवाददाता

बस्ती। नगर के बहादुरपुर विकास खंड स्थित चौधरी त्रिवेणी राम बालिका इंटर कॉलेज कलवारी में सोमवार को सम्मान समारोह आयोजित किया गया। यह समारोह हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की उन छात्राओं के लिए था, जिन्होंने बोर्ड परीक्षाओं में अच्छे अंक प्राप्त किए थे। इस अवसर पर छात्राओं के अभिभावक भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में प्रबंधक अमित चौधरी और प्रधानाचार्या प्रतिमा चौधरी ने हाईस्कूल में शशि, इंटरमीडिएट विज्ञान वर्ग में शालिनी और कला वर्ग में इकरा को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इन छात्राओं ने अपनी–अपनी कक्षाओं में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया है। प्रबंधक अमित चौधरी ने कहा कि माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा घोषित 2026 के परिणामों में विद्यालय की छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर न केवल विद्यालय का, बल्कि अपने परिवार का नाम भी रोशन किया है। उन्होंने विद्यालय परिवार की ओर से छात्राओं पर गर्व व्यक्त किया। प्रधानाचार्या प्रतिमा चौधरी ने बताया कि इस वर्ष विद्यालय की हाईस्कूल में 90% और इंटरमीडिएट में 86% छात्राएं सफल हुई हैं। उन्होंने बताया कि हाईस्कूल में शशि ने 89.66% अंक और इंटरमीडिएट में शालिनी यादव ने 86% अंक प्राप्त कर विद्यालय में टॉप किया है। कला वर्ग में इकरा ने 81.6% अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। इसके अतिरिक्त, हाईस्कूल में दिलीप कुमार की दोनों बेटियां पलक और पायल, शिवांगी तथा कुमुद ने भी अच्छे अंक प्राप्त किए। विश्वनाथ अग्रहरि की बेटी ईशा अग्रहरि ने हाईस्कूल और साक्षी अग्रहरि ने इंटरमीडिएट में अच्छा प्रदर्शन किया। इंटरमीडिएट की प्रज्ञा चौधरी, मोनू, अदीबा नाज, शशि कन्नौजिया, आराधना यादव, सुष्मिता और अंशिका गौतम ने भी सराहनीय अंक हासिल किए। इस अवसर पर विनोद चौधरी, लल्लू राम मौर्य, जगवंत कुमार, कलावती, कमलावती, राजकुमार, बीना चौधरी, प्रेमनाथ चौधरी सहित विद्यालय के शिक्षक, अभिभावक और छात्राएं मौजूद रहीं।

बेकाबू टेंपो खाई में गिरा, बड़ा हादसा टला

संवाददाता

उरई/जालौन। रामपुरा थाना क्षेत्र के पंचनद संगम पर विठौली थाना अंतर्गत सोमवार सुबह एक बड़ा हादसा टल गया। तेज रफ्तार टेंपो पुल के पास अनियंत्रित होकर कालेश्वर मंदिर के नीचे गहरी खाई में जा गिरा। गनीमत रही कि टेंपो खाली था, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई। यह घटना सुबह करीब 11.30 बजे हुई। हनुमंतपुरा चौराहे की ओर से आ रहा टेंपो कालेश्वर मंदिर के पास मोड़ पर अनियंत्रित हो गया। चालक की पहचान औरैया जिले के अयाना थाना क्षेत्र के सेंगनपुर निवासी अब्दुल के रूप में हुई है, जिसे हादसे में मामूली चोटें आई हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, चालक कथित तौर पर नशे की हालत में था और वाहन चलाते समय कान में ईयरफोन लगाकर गाना सुन रहा था। तेज गति के कारण वह मोड़ पर टेंपो को नियंत्रित नहीं कर सका और वाहन खाई में पलट गया। सड़क किनारे खड़े बबूल के पेड़ों ने टेंपो को और नीचे गिरने से रोक दिया, जिससे एक गंभीर हादसा टल गया। यदि वाहन और गहराई में चला जाता, तो स्थिति अधिक भयावह हो सकती थी। घटनास्थल पर पहुंचे राहगीरों ने तुरंत चालक को बाहर निकाला और प्राथमिक उपचार के लिए जगम्मनपुर गांव भेजा। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से क्षेत्र में यातायात नियमों का सख्ती से पालन कराने और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है।

हिन्दी साप्ताहिक
सत्य शिला

दिल्ली से यमुनोत्री और गंगोत्री कैसे जाएं?

एजेंसी

चार धाम यात्रा 2026 शुरू हो चुकी हैं। उत्तराखंडे के पवित्र तीर्थ स्थल, यमुनोत्री, गंगोत्री, बद्रीनाथ और केदारनाथ मंदिर के कपाट भक्तों के लिए खुल गए हैं। केदारनाथ धाम में तो भक्तों की काफी भीड़ देखने को मिल रही है। कई वीडियोज सामने आ रहे हैं जिसमें भीड़ के चलते लोग केदारनाथ यात्रा से बच रहे हैं। ऐसे में अगर आप केदारनाथ की भीड़ का सामना नहीं करना चाहते लेकिन धार्मिक और प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर यात्रा की योजना बना रहे हैं तो यमुनोत्री धाम और गंगोत्री धाम आपके लिए बेहतरीन विकल्प हैं। ये दोनों धाम उत्तराखंड के चारधाम यात्रा का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं और हर साल लाखों श्रद्धालु यहां दर्शन के लिए आते हैं। दिल्ली से गंगोत्री और यमुनोत्री की यात्रा न सिर्फ धार्मिक आस्था से जुड़ी है, बल्कि यह एक शानदार रोड ट्रिप का अनुभव भी देती है। रास्ते में आपको पहाड़ों की खूबसूरती, नदियों की कल–कल और शांत वातावरण का आनंद मिलेगा। हालांकि पहाड़ी इलाकों में यात्रा की सही योजना बेहद जरूरी होती है। सही रूट, समय, बजट और ठहरने की जानकारी के बिना यात्रा मुश्किल हो सकती है। इसलिए अगर आप पहली बार यमुनोत्री और गंगोत्री जा रहे हैं, तो यात्रा की योजना बनाने के लिए विस्तार से जानकारी यहां से प्राप्त कर लें। यात्रा की शुरुआत दिल्ली से कर रहे हैं तो हरिद्वार या ऋषिकेश के लिए बस व ट्रेन बुक करें। यहां की दूरी लगभग 220–240 किमी है। सफर तय करने में 5–6 घंटे का समय लग सकता है। यहां आप गंगा आरती का आनंद भी उठा सकते हैं। ऋषिकेश में मंदिरों के दर्शन, लक्ष्मण झूला और हरिद्वार में मनसा देवी माता मंदिर और चंडी माता मंदिर के दर्शन के लिए जा सकते हैं। अगर आप सुबह पहुंचते हैं तो पूरा दिन घूमने के लिए काफी है। हालांकि अगर आप यात्रा शुरू करना चाहते हैं तो सुबह तड़के यहां पहुंचने के बाद थोड़ा विश्राम करके, आसपास के कुछ खास स्थलों की सैर के बाद 12 बजे तक यहां से रवाना हो सकते हैं। आप उसी दिन यात्रा शुरू कर सकते हैं या हरिद्वार व ऋषिकेश में रात्रि विश्राम के बाद अगले दिन यात्रा पर निकलें। यहां से बड़कोट अगला पड़ाव है, जिसका सफर तय करने में 7 से 8 घंटे का समय लग सकता है जो कि लगभग 180 किमी दूर है। रास्ते में खूबसूरत पहाड़ी दृश्य नजर आता है। बस, टैक्सी या खुद ड्राइव करके जा सकते हैं। अगर आपको पहाड़ों पर गाड़ी चलाने का अनुभव हो तो। बड़कोट पहुंचकर रात में रुके। अब बड़कोट से जानकी चट्टी तक का सफर करें। आप यहां टैक्सी या अपनी गाड़ी से पहुंच सकते हैं। इसके आगे का सफर पैदल करना होता है। यहां से 5–6 किमी ट्रेक है। घोड़ा या पालकी की सुविधा भी मिल जाती है। सुबह यात्रा की शुरूआत करते हैं तो शाम तक यमुनोत्री धाम में दर्शन करके लौट भी सकते हैं। बता दें कि आसपास मौसम भले ही ठंडा हो लेकिन मंदिर परिसर की जमीन गर्म और गर्म पानी का कुंड आपको यहां देखने को मिल सकता है। दर्शन के बाद बड़कोट वापस लौटें। यमुनोत्री मंदिर में दर्शन के बाद गंगोत्री धाम की यात्रा के लिए रवाना हों। बड़कोट में रात्रि विश्राम के बाद अगले दिन उत्तरकाशी के लिए रवाना हों। बड़कोट से उत्तरकाशी की दूरी लगभग 100 किमी है। यहां पहुंचकर आसपास के मंदिर और प्राकृतिक सुंदरता का अनुभव लें। रात को उत्तरकाशी में ठहरें। उत्तरकाशी से गंगोत्री की दूरी 100 किमी है। सुबह आप उत्तर काशी से रवाना हों। गंगोत्री मार्ग से प्राकृतिक नजारों, पहाड़ों के मनमोहक दृश्यों का अनुभव लें। फिर गंगोत्री पहुंचकर मंदिर में दर्शन करें और वापसी में उत्तरकाशी या ऋषिकेश में रुकें। अगर आप गंगोत्री और यमुनोत्री यात्रा करना चाहते हैं तो प्रति व्यक्ति खर्च लगभग 8000 रुपये से 15000 रुपये आ सकता है। यहां आने के लिए मई से जून और सितंबर सबसे अच्छा समय होता है। मानसून में आने से बचें क्योंकि पहाड़ी रास्ते खराब हो सकते हैं। अगर खुद से ड्राइव करके आ रहे हैं तो पहाड़ों पर सावधानी बरतें। जरूरी दवाइयां और गर्म कपड़े साथ रखें क्योंकि यहां मौसम अचानक बदल सकता है। पहले से होटल बुक करें और यात्रा से पहले हेल्थ चेकअप कराएं।

गर्मियों में मोतियाबिंद का ऑपरेशन कराना चाहिए या नहीं? क्या कहते हैं डॉक्टर

एजेंसी

लाइफस्टाइल और खानपान की गड़बड़ी ने हमारी सेहत को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचाया है। इसका आंखों की सेहत पर भी सीधा असर देखा जा रहा है। कम उम्र में ही धुंधला दिखना, पढ़ने के लिए चश्मे की जरूरत महसूस होना और ग्लूकोमा जैसी बीमारियां इसका संकेत है। मोतियाबिंद भी आंखों की ऐसी ही एक समस्या है जिसके कारण लोगों को दिखना कम हो जाता है, रात में गाड़ी चलाना मुश्किल हो जाता है और यहां तक कि दूर से चेहरों की पहचाने में भी कठिनाई होने लगती है। आमतौर पर मोतियाबिंद को बुढ़ापे की समस्या माना जाता रहा है, पर क्या आप जानते हैं कि इसकी शुरुआत 40–45 की उम्र में ही हो जाती है? अध्ययनों में पाया गया है कि डायबिटीज, लंबे समय तक स्टेरॉयड दवाओं का सेवन, आंखों में चोट, अत्यधिक धूप और धूम्रपान जैसी आदतों के कारण ये समस्या तेजी से बढ़ती जा रही है। मोतियाबिंद का इलाज संभव है, सर्जरी के माध्यम से नए लेंस डालकर आंखों की रोशनी में सुधार किया जा सकता है। पर अक्सर लोगों के मन में सवाल रहता है कि क्या गर्मियों में ये सर्जरी कराना सही है? क्या ज्यादा गर्मी में संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है? मोतियाबिंद की सर्जरी कब करानी चाहिए और कौन–कौन सी सावधानियां जरूरी हैं? इसे समझने के पहले इस बीमारी के बारे में जान लेना जरूरी है। आंख का लेंस पारदर्शी होता है, जो प्रकाश को रेटिना तक पहुंचाने में मदद करता है। जब यह लेंस धीरे–धीरे सफेद या धुंधला होने लगता है, तो व्यक्ति को स्पष्ट नहीं दिखाई देता। उम्र के साथ लेंस के प्रोटीन टूटने लगते हैं और उनकी संरचना बदल जाती है, जो इस तरह की बीमारी का कारण बनती है।

हालांकि कुछ लोगों को ये समस्या जन्मजात, आंखों में चोट, डायबिटीज या लंबे समय तक स्टेरॉयड दवाओं के कारण भी हो सकती है। डॉ कहते हैं, यदि आपको भी धुंधला दिखने, रोशनी से परेशानी होने या बार–बार चश्मा बदलने जैसी समस्या हो रही है, तो सबसे पहले नेत्र विशेषज्ञ से जांच करा लें। मोतियाबिंद की शुरुआती स्थिति में डॉक्टर चश्मा या कुछ दवाएं दे सकते हैं। हालांकि लेंस में गड़बड़ी को ठीक करने के लिए सर्जरी जरूरी हो जाती है। इसमें धुंधले लेंस को हटाकर उसकी जगह कृत्रिम लेंस लगाया जाता है। सर्जरी के कुछ दिनों में आमतौर पर आंखों की रोशनी ठीक होने लग जाती है। डॉ कहते हैं, अक्सर लोगों के मन में ये सवाल रहता है कि गर्मियों में सर्जरी से दिक्कत हो सकती है। हालांकि अब उन्नत इलाज और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हैं ऐसे में गर्मियों में भी सर्जरी करा सकते हैं। मौसम से ज्यादा महत्वपूर्ण स्वच्छता, सर्जन का अनुभव और ऑपरेशन के बाद की देखभाल है। आधुनिक तकनीक में तापमान को कंट्रोल करने और संक्रमण को रोकने के लिए जरूरी उपाय किए जाते हैं। इसलिए गर्मी से सीधे सर्जरी पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता। गर्मियों में पसीना, धूल और तेज धूप अधिक होती है, इसलिए ऑपरेशन के बाद विशेष सावधानी बरतते रहने की जरूरत होती है। मोतियाबिंद उम्र बढ़ने के साथ होने वाली समस्या है। 60 वर्ष के बाद इसका खतरा तेजी से बढ़ जाता है।

सेहत के सबसे बड़े दुश्मन से मुकाबले के लिए स्वास्थ्य मंत्रालय की खास सलाह

एजेंसी

बढ़ता वजन और मोटापा मौजूद समय में सेहत के लिए सबसे गंभीर जोखिमों में से एक बना हुआ है। इसे सिर्फ लुक खराब करनी वाली समस्या समझने की भूल न करे, मोटापा असल में सेहत के लिए सबसे बड़ा दुश्मन साबित हो रहा है। डॉक्टर इसे साइलेंट हेल्थ क्राइसिस कहते हैं। विशेषतौर पर पेट के आसपास जमा चर्बी यानी बेली फैट आपको डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर, हृदय रोग, फैटी लिवर यहां तक कि कुछ प्रकार के कैंसर का भी शिकार बना सकती है। अगर आप भी मोटापे का शिकार हैं तो अलर्ट हो जाइए, वरना सेहत को गंभीर नुकसान हो सकता है। मोटापा आ तो आसानी से जाता है, पर इससे छुटकारा पाना असल में बहुत कठिन है। कई लोग वजन घटाने के लिए घंटों जिम में पसीना बहाते हैं, डाइटिंग करते हैं, मीठा छोड़ देते हैं फिर भी लाभ नहीं मिलता। विशेषज्ञों का मानना है कि व्यायाम में कमी के अलावा बढ़ते वजन का असली कारण हमारी थाली में छिपा है। हम जो कुछ भी खा रहे हैं उसका सेहत पर सीधा असर पड़ता है। तली–भुनी चीजें, बार–बार बाहर का खाना, ज्यादा मसालेदार भोजन और जरूरत से अधिक तेल का सेवन शरीर में कैलोरी का स्तर बढ़ा देता है। अतिरिक्त कैलोरी के रूप में शरीर में फैट जमा होने लगती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते है, वेट लॉस के लिए हर

बार फैन्सी जिम और महंगे उपाय ही मददगार होंगे ऐसा जरूरी नहीं है। मोटापा घटाने की शुरुआत छोटी आदतों से होती है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से जारी एक सुझाव में वजन घटाने और सेहत को लाभ देने के लिए रोजाना खाना बनाने के लिए इस्तेमाल होने वाले तेल में 10% तक की कटौती करने की सलाह दी गई है। सही खान–पान, संतुलित मात्रा में तेल का इस्तेमाल न केवल वजन कम करने में सहायक है, बल्कि शरीर को कई गंभीर बीमारियों से भी बचा सकती है। खाना पकाने के लिए तेल जरूरी है,लेकिन इसकी अधिकता शरीर के लिए नुकसानदायक हो सकती है। एक चम्मच तेल में लगभग 120 कैलोरी होती है। खाने में तेल की अधिकता आपके कैलोरी इंटेक को बढ़ा देती है जिससे शरीर में अतिरिक्त कैलोरी जमा होने लगती है। पेट के आसपास जमा चर्बी संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए मुश्किलें बढ़ाने वाली हो सकती है जिसे लेकर स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी लोगों को अलर्ट करते हैं। कम तेल वाला भोजन पाचन में आसान होता है जबकि तला–भुना खाना पेट भारी करता है। ये गैस, एसिडिटी और सुस्ती बढ़ाता है। ज्यादा तेल वाली चीजें शरीर में कोलेस्ट्रॉल के स्तर को भी बढ़ाने वाली मानी जाती हैं, जिसके कारण हृदय स्वास्थ्य को खतरा हो सकता है। मोटापा घटाने के लिए सबसे जरूरी है हाई कैलोरी वाली चीजें कम खाना करना और अधिक से अधिक कैलोरी बर्न करना। जब आप खाने में तेल कम करते हैं तो कुल कैलोरी की मात्रा भी कम हो जाती है। इससे वजन बढ़ने का खतरा भी कम हो जाता है। कम तेल वाला खाना शरीर में फैट स्टोरेज को कम करता है और मेटाबॉलिज्म को बेहतर बनाए रखने में मदद करता है। इससे ब्लड शुगर भी स्थिर रहती है और बार–बार भूख लगने की समस्या भी कम हो सकती है। जब शरीर को हल्का, संतुलित और पोषक भोजन मिलता है, तो ऊर्जा स्तर बेहतर रहता है और व्यक्ति ज्यादा सक्रिय रहता है। ये भी वजन घटाने के लिए जरूरी है।

भीषण गर्मी ने बिगाड़े हालात, जानिए डॉक्टर क्यों दे रहे हैं किडनी की बीमारियों को लेकर अलर्ट

एजेंसी

राजधानी दिल्ली–एनसीआर सहित पूरे उत्तर भारत में इन दिनों तेज गर्मी और लू का प्रकोप देखा जा रहा है। कई हिस्सों में पारा 40 से भी पार जा रहा है, जिसे देखते हुए दिल्ली में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी लोगों को इस तपती गर्मी में सेहत को लेकर खास सावधानी बरतते रहने की सलाह दे रहे है। दिल्ली में लोग इन दिनों आग उगलती गर्मी की चपेट में है। सड़कें तप रही हैं, दोपहर होते ही लू की लपटें चलनी शुरू हो जाती हैं। लू और गर्मी न सिर्फ लोगों के लिए कामकाज में मुश्किलें बढ़ाती जा रही है साथ ही इसका सेहत पर भी गंभीर असर पड़ने का खतरा रहता है। तापमान जैसे–जैसे 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंचता है, ऐसे में शरीर की सामान्य तापमान नियंत्रित करने की क्षमता प्रभावित होने लगती है। ये हीट स्ट्रोक का खतरा बढ़ा देता है। डॉक्टर कहते हैं, बढ़ती गर्मी लू लगने का खतरा तो बढ़ा ही रही है साथ ही ये स्थिति किडनी के लिए भी काफी खतरनाक हो सकती है। आइए जानते हैं किन लोगों को इन दिनों किडनी की सेहत को लेकर विशेष अलर्ट हो जाना चाहिए? भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने शनिवार को अनुमान लगाया कि अगले 3 दिनों के दौरान उत्तर–पश्चिमी और मध्य भारत

में गर्मी–बढ़ने और लू चलने की आशंका है। इसके बाद मौसम में थोड़े सुधार की संभावना जरूर है। शनिवार को जारी एक प्रेस रिलीज के अनुसार, जम्मू–कश्मीर, पंजाब, पूर्वी उत्तर प्रदेश और उत्तरी राजस्थान के कुछ अलग–अलग स्थानों पर भी लू चलने की आशंका है। आईएमडी ने लोगों से आग्रह किया कि गर्मी से बचाव करें और अपनी सेहत को लेकर सावधानी बरतें। वहीं डॉक्टर कहते हैं, इन दिनों दिन के समय धूप में जाने से बचें, ये आपकी सेहत के लिए बड़ी समस्याओं का कारण बन सकती है। कुछ लोगों में गर्मी के प्रकोप के कारण किडनी की समस्याओं यहां तक कि किडनी फेलियर तक का खतरा हो सकता है। बढ़ते तापमान में लू लगने का सबसे ज्यादा खतरा उन लोगों को होता है जो दिन के समय घर से बाहर काम करते हैं। निर्माण कार्य करने वाले मजदूर, डिलीवरी करने वाले लोग, ट्रैफिक पुलिसकर्मी, किसान और सफाई कर्मचारियों में लू और गर्मी के कारण होने वाली समस्याओं का खतरा अधिक होता है। ये सभी लोग लंबे समय तक धूप में बाहर काम करते हैं, जिससे उनके शरीर पर लगातार दबाव पड़ता रहता है। गर्मी और डिहाइड्रेशन के कारण ऐसे लोगों में किडनी को नुकसान पहुंचने का खतरा भी काफी अधिक देखा जाता रहा है। डॉक्टर कहते हैं, लगातार गर्मी के संपर्क में रहने से पसीना ज्यादा आता है, जिसके कारण शरीर से काफी मात्रा में तरल पदार्थ और इलेक्ट्रोलाइट्स बाहर निकल जाते हैं। अगर शरीर में पानी की इस कमी को पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थ लेकर पूरा न किया जाए, तो डिहाइड्रेशन की समस्या पैदा हो जाती है। डिहाइड्रेशन के कारण किडनी समेत शरीर के अन्य महत्वपूर्ण अंगों तक रक्त संचार घट सकता है। लंबे समय तक गर्मी के संपर्क और डिहाइड्रेशन के कारण, किडनी में पथरी और मूत्र संक्रमण का जोखिम बढ़ जाता है। डायबिटीज या हाई बीपी के शिकार हैं या फिर किडनी की बीमारियों की फैमिली हिस्ट्री रही है उन्हें किडनी की समस्याओं का जोखिम ज्यादा होता है। डॉक्टर कहते हैं, गर्मी के कारण किडनी को होने वाले नुकसान से बचाने के लिए शरीर में पानी की कमी न होने देना सबसे जरूरी है। बाहर काम करते हैं तो प्यास न लगने पर भी पर्याप्त मात्रा में पानी पीना चाहिए।

सादा लस्सी को कहें बाय-बाय, घर पर खरबूजे के ट्विस्ट के साथ करें इसे तैयार

एजेंसी

गर्मियों के मौसम में शरीर को ठंडक देने वाले पेय पदार्थों की मांग तेजी से बढ़ जाती है। ऐसे में अगर आप कुछ हेल्दी, स्वादिष्ट और तुरंत तैयार होने वाला ड्रिंक ढूंढ रहे हैं, तो खरबूजा लस्सी

एक बेहतरीन विकल्प है। खरबूजा न सिर्फ शरीर को हाइड्रेट रखता है बल्कि इसमें मौजूद विटामिन और मिनरल्स सेहत के लिए भी काफी फायदेमंद होते हैं। वहीं दही से बनी लस्सी पेट को ठंडक देती है और पाचन को बेहतर बनाती है। इन दोनों का कॉम्बिनेशन स्वाद और सेहत का परफेक्ट मेल है। खास बात यह है कि इसे बनाने में ज्यादा समय या मेहनत नहीं लगती और घर में आसानी से उपलब्ध सामग्री से तैयार हो जाती है। अगर आप भी इस गर्मी कुछ नया और रिफ्रेशिंग ट्राई करना चाहते हैं, तो घर पर जरूर बनाएं ठंडी–ठंडी खरबूजा लस्सी। लस्सी का सामान– 2 कप कटा हुआ खरबूजा। 1 कप ताजा दही। 2–3 चम्मच चीनी। 4–5 बर्फ के टुकड़े। 1/4 चम्मच इलायची पाउडर। कुछ केसर के धागे । बनाने की विधि– सबसे पहले खरबूजे को अच्छी तरह धोकर छील लें और बीज निकालकर छोटे टुकड़ों में काट लें। अब एक मिक्सर जार में कटा हुआ खरबूजा, ताजा दही और चीनी डालें। इसे 1दृ2 मिनट तक ब्लेंड करें, जब तक मिश्रण एकदम स्मूद और क्रीमी न हो जाए। इसके बाद इसमें बर्फ के टुकड़े और इलायची पाउडर डालकर दोबारा हल्का ब्लेंड करें, ताकि लस्सी अच्छी तरह ठंडी हो जाए।

घर पर बनाएं ठंडा-ठंडा तरबूज मोहितो, मिनटों में तैयार रिफ्रेशिंग ड्रिंक

एजेंसी

गर्मियों का मौसम आते ही शरीर को ठंडक देने वाली ड्रिंक्स की जरूरत बढ़ जाती है। ऐसे में

अगर आप कुछ नया, टेस्टी और हेल्दी ट्राई करना चाहते हैं तो तरबूज मोहितो एक बेहतरीन विकल्प है। तरबूज में पानी की मात्रा अधिक होती है, जो शरीर को हाइड्रेट रखने में मदद करता है, वहीं पुदीना और नींबू इसे और भी ज्यादा रिफ्रेशिंग बना देते हैं। अक्सर लोग मोहितो को बाहर कैफे या रेस्टोरेंट में पीना पसंद करते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि इसे घर पर भी बेहद आसानी से बनाया जा सकता है? खास बात यह है कि इसे बनाने में ज्यादा समय या खास सामग्री की जरूरत नहीं होती। तरबूज मोहितो न केवल स्वाद में लाजवाब होता है, बल्कि यह हेल्थ के लिए भी फायदेमंद है। इसमें मौजूद प्राकृतिक तत्व शरीर को ठंडा रखने के साथ–साथ एनर्जी भी देते हैं। अगर आप

भी इस गर्मी कुछ अलग और ताजगी से भरपूर ड्रिंक बनाना चाहते हैं, तो यह रेसिपी आपके लिए बिल्कुल परफेक्ट है। तरबूज मोहितो बनाने की आसान विधि– सामग्री – तरबूज के छोटे टुकड़े। ताजे पुदीना पत्ते। नींबू का रस। चीनी या शहद। बर्फ के टुकड़े। सोडा या स्पार्कलिंग वाटर। स्टेप 1– एक गिलास या बाउल में तरबूज के टुकड़े डालकर अच्छे से मसल लें ताकि उसका जूस निकल आए। स्टेप 2– अब इसमें पुदीना पत्ते और नींबू का रस डालें। स्टेप 3– हल्के हाथ से इन्हें भी मसलें ताकि खुशबू और स्वाद अच्छे से मिल जाए। स्टेप 4– अब इसमें शक्कर या शहद डालें और बर्फ के टुकड़े डालकर अच्छी तरह मिक्स करें। स्टेप 5– अंत में सोडा या स्पार्कलिंग वाटर डालें, हल्का सा चलाएं। स्टेप 6– पुदीना पत्तों से गार्निश करके सर्व करें। ध्यान रखने वाली बातें ज्यादा मीठा न करें, तरबूज खुद मीठा होता है। ताजे पुदीना पत्ते इस्तेमाल करें। तुरंत सर्व करें, तभी इसका असली स्वाद मिलेगा।

शादी के बिना मां बनने को सही मानती हैं नित्या मेनन

बोलीं- 'आजकल बच्चे पैदा करने के कई तरीके'

एजेंसी

कन्नड़ अभिनेत्री नित्या मेनन इन दिनों अपनी फिल्म को लेकर नहीं बल्कि अपने एक बयान को लेकर चर्चाओं में हैं। उनका ये बयान रिश्तों और बच्चों को लेकर दिया गया है। नित्या मेनन का मानना है कि बच्चे पैदा करने के लिए या मां बनने के लिए शादी करने की जरूरत नहीं है। नित्या ने कन्नड़ अभिनेत्री भावना के बिना शादी किए मां बनने के फैसले का समर्थन किया। उनका मानना है कि इसमें कुछ भी गलत नहीं है, यह अभिनेत्री की अपनी पसंद है अभिनेत्री भावना के शादी के बिना मां बनने के फैसले का कई लोगों ने विरोध किया और उनके बयान की आलोचना की। कई लोगों का ये भी कहना है कि क्या शादी का मतलब सिर्फ बच्चे पैदा करना होता है? इन्हीं विचारों पर आधारित कडालिक्का नेरामिल्ले नाम की एक फिल्म पिछले साल रिलीज हुई थी। नित्या मेनन ने इस फिल्म में मुख्य भूमिका निभाई थी। फिल्म की रिलीज़ के दौरान उन्होंने इंडिया ग्लिट्ज तमिल यूट्यूब चौनल को एक इंटरव्यू दिया था। अब इसी इंटरव्यू का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। बातचीत के दौरान जब नित्या से पूछा गया कि क्या शादी से पहले प्रेग्नेंट होना सही है या गलत? इस पर नित्या ने कहा, 'शादी के बाद प्रेग्नेंट होने की तुलना में शादी से पहले प्रेग्नेंट होना बेहतर है। बिना शादी के प्रेग्नेंट होना ठीक है। अगर आप बच्चे चाहते हैं, तो शादी न करना भी ठीक है। आजकल बच्चे पैदा करने के कई तरीके हैं। बहुत से लोग इन्हें अपना रहे हैं।' इसी दौरान जब एक्ट्रेस से पूछा गया कि आपकी पसंद क्या है, शादीशुदा जीवन या संतानहीन जीवन? इस पर एक्ट्रेस ने कहा कि वैवाहिक संबंध और संतानहीन जीवन, मेरी पसंद है। नित्या के ये बयान अब सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटोर रहे हैं। चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर अपना करियर शुरू करने वाली नित्या मेनन अब 38 साल की हो चुकी हैं, लेकिन अभी भी उन्होंने शादी नहीं की है। एक पुराने इंटरव्यू में नित्या ने शादी को लेकर कहा था कि वो शादी को लेकर जल्दबाजी में नहीं हैं। एक्ट्रेस ने कहा था कि मुझे घर पर ही शादी करने के लिए मजबूर किया गया। बचपन से ही मैं एक जीवनसाथी चाहती थी और उसके साथ एक खूबसूरत जिंदगी जीना चाहती थी। लेकिन मुझे कभी ऐसा जीवनसाथी नहीं मिला। वर्कफ्रंट की बात करें तो नित्या आखिरी बार पिछले साल रिलीज हुई फिल्म 'इडली कड़ाई' में नजर आई थीं। इसमें उनके साथ धनुष प्रमुख भूमिका में थे। इसके अलावा वो विजय सेतुपति के साथ 'थलाइवन थलाइवी' में भी नजर आई थीं। हाल ही उन्होंने अपना खुद का प्रोडक्शन हाउस भी शुरू किया है।

दीपिका की बेटी दुआ ने पहली बार लिया लाइव शो का आनंद, रणवीर सिंह ने बताया परिवार के लिए खास पल

एजेंसी

रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण जल्द ही फिरसे माता–पिता बनने वाले हैं। दीपिका ने पिछले दिनों अपनी दूसरी प्रेग्नेंसी की घोषणा की। इस बीच कपल ने हाल ही में अपनी बेटी दुआ को एनएमएसीसी में उसके पहले लाइव शो में ले जाने के अनुभव को साझा किया। रणवीर को कोकोमेलन सिंग–ए–लॉन्ग लाइव इवेंट में दुआ के साथ देखा गया और बाद में उन्होंने बताया कि यह अनुभव और भी खास था क्योंकि यह उसका पहला शो था। एनएमएसीसी की इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर किए गए एक वीडियो में रणवीर शो के बाद अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए नजर आ रहे हैं। क्लिप में उन्होंने कहा, 'यह हमारे लिए थोड़ा ज्यादा खास है क्योंकि यह हमारी श्दुआ बेबीश का पहला शो है। मैं एनएमएसीसी की टीम का बहुत आभारी हूं कि उन्होंने हमें दुनिया भर के ऐसे अनुभव दिखाए और हमें ऐसी यादें बनाने का मौका दिया जो जीवन भर रहेंगी।' एनएमएसी में दीपिका और रणवीर की उपस्थिति ऐसे समय में हुई है जब वे इस दौरान अपने परिवार के साथ अधिक समय बिता रहे हैं। कपल ने 8 सितंबर, 2024 को अपनी बेटी दुआ का स्वागत किया। हाल ही में दीपिका ने अपनी दूसरी प्रेग्नेंसी की घोषणा की। इसमें उन्होंने अपनी बेटी दुआ के साथ एक तस्वीर साझा की, जिसमें वो प्रेग्नेंसी टेस्ट के बाद का रिजल्ट दिखा रही हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो रणवीर सिंह श्धुरंधररू द रिवेंजश की सफलता का आनंद ले रहे हैं, जो एक महीने से अधिक समय से सिनेमाघरों में चल रही है। वहीं उनकी आगामी फिल्म 'प्रलय' भी चर्चाओं में बनी हुई है। दीपिका पादुकोण फिलहाल एटली और अल्लू अर्जुन की राका और शाहरुख खान की किंग में नजर आएंगी।

हिंदी के लिए साई पल्लवी ने मांगी माफी, बॉलीवुड डेब्यू से पहले नर्वस हैं एक्ट्रेस, आमिर खान को लेकर कही ये बात

एजेंसी

साई पल्लवी आमिर खान के बेटे जुनैद खान के साथ 'एक दिन' फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू को तैयार हैं। रिलीज से पहले फिल्म को लेकर एक इवेंट हुआ, जिसमें आमिर खान समेत फिल्म की कास्ट भी मौजूद रही। इस इवेंट में साई पल्लवी भी पहुंचीं, जहां उन्होंने इमोशनल स्पीच दिया। इस दौरान साई ने अपनी कमजोर हिंदी के लिए माफी मांगते हुए कहा कि वह उत्साहित होने के साथ–साथ थोड़ी घबराई हुई भी हैं। कार्यक्रम के दौरान जब साई पल्लवी को मंच पर बोलने के लिए बुलाया गया, तो एक्ट्रेस ने हिंदी पर अपनी सीमित पकड़ के लिए माफी मांगी। साथ ही उन्होंने वहां मौजूद लोगों को आगाह किया कि बोलते समय उनसे ग्रामेटिकल मिस्टेक हो सकती है। उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए साई ने स्वीकार किया कि उन्होंने हिंदी में बोलने की तैयारी नहीं की थी। उन्होंने कहा कि मुझे नहीं पता था कि हमें इस कार्यक्रम में बोलना होगा। कम से कम मैं हिंदी में कुछ सीख तो लेती, लेकिन कृपया मुझे माफ कर दीजिएगा। व्यक्तिगत रूप से मैं आप सभी का बहुत–बहुत धन्यवाद करती हूं। फिल्म की कास्ट और क्रू की तारीफ करते हुए एक्ट्रेस ने कहा कि आप सब अविश्वसनीय थे, हर एक व्यक्ति, आप सभी बहुत ही सुंदर कहानीकार हैं। मैं आपकी भावनाओं को महसूस कर सकती थी, मैं अपने सामने के सीन को देख सकती थी। यह सचमुच बहुत खूबसूरत था। साई ने इंडस्ट्री में अपने सफर को लेकर कहा कि मुझे नहीं पता कि मैं वास्तव में थिएटर जाने वाली, ऐसी जगह जाने वाली थी जहां इतनी प्रतिभाओं का संगम हो। लेकिन मैंने जो कुछ भी किया है, वह मुझे यहां तक ले आया है और मैं इस पूरी यात्रा के लिए बहुत आभारी हूं। आमिर खान को धन्यवाद देते हुए एक्ट्रेस ने कहा कि आमिर सर, मुझे इस तरह का मौका देने और इस फिल्म का हिस्सा बनने के लिए चुनने के लिए आपका बहुत–बहुत धन्यवाद। जब भी आप सब प्यार की बात करते थे, मैं आपके चेहरे पर चमक देख सकती थी। यह मेरी पहली हिंदी फिल्म होने जा रही है।

मधु मंटेना और इरा त्रिवेदी के घर गूंजी किलकारी, बेटे नील चैतन्य मंटेना का किया स्वागत

एजेंसी

मधु मंटेना और उनकी पत्नी इरा त्रिवेदी के अपने पहले बच्चे की उम्मीद को लेकर खबरें लगातार सुर्खियां बटोर रही थीं और हर कोई इस खास पल का बेसब्री से इंतजार कर रहा था। आखिरकार, वो पल आ गया है, कपल ने अपने बच्चे का स्वागत किया है और उसका नाम नील चौतन्य मंटेना रखा है। उन्होंने वेदों में बताए गए सभी जरूरी संस्कारों के साथ इस अवसर को मनाया, जो वास्तव में एक दिल छू लेने वाला पल था। सोशल मीडिया पर मधु मंटेना ने अपनी पत्नी इरा त्रिवेदी के साथ मिलकर अपने बच्चे नील चौतन्य मंटेना के जन्म का जश्न मनाने के लिए पूरे परिवार द्वारा किए गए स्वागत संस्कारों की कुछ खूबसूरत तस्वीरें शेयर कीं। हालांकि कपल ने बच्चे का चेहरा नहीं दिखाया है, लेकिन वे पल बेहद प्यारे लग रहे हैं, और हम बच्चे के सुखी जीवन और अच्छी सेहत की कामना करते हैं। उन्होंने कैप्शन में आगे लिखा,बेबी नील के लिए मैंने अपने वेदों में बताए गए सभी संस्कारों का पालन किया, जिसकी शुरुआत गर्भ में गर्भसंस्कार से हुई थी।

अनुराग कश्यप, निखिल आडवाणी, विक्रमादित्य मोटवाने और वासन बाला ने लॉन्च किया 'डुग डुग' का ट्रेलर

एजेंसी

एक खोई हुई बाइक, और उससे जन्मी आस्था की नई कहानी। डेब्यू निर्देशक ऋत्विक पारेख की फिल्म डुग डुग का ट्रेलर रिलीज हो गया है, जो दर्शकों को एक अनोखी दुनिया की झलक देता है। यह फिल्म निखिल आडवाणी, विक्रमादित्य मोटवाने और वासन बाला ने लॉन्च किया। "ना जाने भगवान भी कौन–कौन से खेल खेलता है।" इस संवाद के साथ डुग डुग का ट्रेलर शुरू होता है, जहां एक किरदार गांव के एक व्यक्ति की मौत की कहानी सुनाता

है। रहस्य तब और गहरा जाता है जब उस व्यक्ति की बाइक पुलिस स्टेशन से गायब हो जाती है और बाद में उसी जगह वापस मिलती है, जहां उसकी मौत हुई थी। सच्ची घटनाओं से प्रेरित डुग डुग एक ऐसे अजीब घटनाक्रम की कहानी है, जिसमें एक मृत व्यक्ति की मोटरसाइकिल को चमत्कारी मान लिया जाता है। लोगों का विश्वास है कि अगर उस बाइक के सामने प्रार्थना की जाए और शराब चढ़ाई जाए, तो मनोकामनाएं पूरी होती हैं। जैसे–जैसे यह खबर फैलती है और लोगों की इच्छाएं पूरी होने लगती हैं, यह आस्था धीरे–धीरे एक बड़े और व्यावसायिक धर्म का रूप ले लेती है। ट्रेलर फिल्म के मजेदार और जादुई माहौल को शानदार तरीके से पेश करता है। सिनेमैटोग्राफर आदित्य एस. कुमार की ट्रिपी और विजुअली आकर्षक सिनेमैटोग्राफी, ऋत्विक पारेख की कहानी को और भी प्रभावशाली बनाती है। यह फिल्म 8 मई को भारतीय सिनेमाघरों में रिलीज होगी। डुग डुग का निर्माण बॉटल रॉकेट पिक्चर्स के बैनर तले प्रेरणा पारेख और ऋत्विक पारेख ने किया है। फिल्म को रंजन सिंह की फिलप फिल्म्स के सहयोग से भारत में रिलीज किया जाएगा। कॉमेडी, मिस्ट्री और व्यंग्य का दिलचस्प मिश्रण है, जो आस्था, जादू और तर्क के बीच की पतली रेखा को मजेदार अंदाज में दिखाती है। फिल्म के ट्रेलर को इसके चार एग्जीक्यूटिव निर्माताओं अनुराग कश्यप,

महेश बाबू प्रेजेंट्स राव बहादुर की रिलीज डेट हुई तय, मेकर्स ने लॉक की 5 जून 2026 की तारीख

एजेंसी

महेश बाबू प्रेजेंट्स और वेंकटेश महा की फिल्म राव बहादुर के स्ट्राइकिंग फर्स्ट लुक के बाद, मेकर्स ने अब इसका टीजर रिलीज कर दिया है, जिसने इसे सबसे अनोखे और दिलचस्प प्रोजेक्ट्स में से एक बना दिया है। सत्य देव के जबरदस्त ट्रांसफॉर्मेशन वाले इस टीजर को बेहतरीन रिव्यूज मिल रहे हैं और इसने दर्शकों की उत्सुकता को काफी बढ़ा दिया है। मेकर्स ने अब आधिकारिक तौर पर फिल्म की रिलीज डेट 5 जून, 2026 घोषित कर दी है। घ्सोशल मीडिया पर रिलीज डेट का ऐलान करते हुए मेकर्स ने एक शानदार पोस्टर शेयर किया है। राव बहादुर का टीजर एक अनोखी कहानी पेश करता है जहाँ नायक पर एक शैतान का साया है, और यहाँ संदेह ही सबसे बड़ा शैतान है। यह फिल्म को रहस्यमयी यथार्थवाद में रची–बसी एक साइकोलॉजिकल ड्रामा के रूप में स्थापित करती है। घ्दमदार प्रोड्यूसर्स, एक दूरदर्शी फिल्म मेकर और अपनी निडर परफॉरमेंस के लिए मशहूर लीड एक्टर के साथ, राव बहादुर आने वाले सालों की सबसे प्रतीक्षित भारतीय फिल्मों में से एक बन गई है। सुपरस्टार महेश बाबू और नम्रता शिरोडकर की जीएमबी एंटरटेनमेंट द्वारा प्रेजेंट की जा रही राव बहादुर, प्रशंसित फिल्म मेकर वेंकटेश महा की अगली फिल्म है, जिन्हें सीओ कांचरपालम और उमा महेश्वर उग्र रूपस्य जैसी बेहतरीन फिल्मों के लिए जाना जाता है। इस फिल्म का निर्माण तेलुगु सिनेमा के दो सबसे सफल बैनर एएस मूवीज और श्रीचक्रा एंटरटेनमेंट द्वारा किया गया है। एएस मूवीज ने पहले जीएमबी एंटरटेनमेंट के साथ सुपरहिट फिल्म मेजर में काम किया था, जबकि श्रीचक्रा एंटरटेनमेंट ने समीक्षकों द्वारा सराही गई फिल्म केए को बैक किया था।

होस्ट की रिक्वेस्ट पर भड़के कैलाश खेर, दो लाइन गाने से किया इनकार कहा- 'जोकर मत बनाइए...'

एजेंसी

दिल्ली में 25 अप्रैल को एक समिट के दौरान यह घटना सामने आई। जब होस्ट ने कैलाश खेर से केजुअली कहा कि वो कुछ लाइन गाकर सुनाएं, तो कैलाश खेर ने मना कर दिया। इस मौके पर उन्होंने अपनी बात खुलकर रखी और कहा कि यह सिर्फ एक घटना नहीं, बल्कि एक बड़ी समस्या है। कैलाश खेर ने इस आदत की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा, 'यही मैं बदलना चाहता हूं, यही मेरे मन में है, यही बदलना है कि सिंगर को, म्यूजिक को ऐसे ना माना जाए कि 'सर दो लाइन गा दीजिए, मूड बना दीजिए।' यह बहुत गलत है। यह रिक्वेस्ट ही मत कीजिए।' अपनी बात समझाने के लिए उन्होंने दूसरे प्रोफेशन का उदाहरण भी दिया। उन्होंने कहा, क्या आप सचिन तेंदुलकर से कहेंगे कि 'जरा एक छक्का लगाकर दिखा दीजिए'? इस पृथ्वी पर कोई ऐसा नहीं करता। किसी आर्मी के जवान से नहीं कहेंगे कि 'अपनी पोजीशन लेकर एक शॉट लगा दीजिए।' ऐसा मत कीजिए प्लीज। कलाकार को जोकर मत बनाइए। साधक को सिर्फ मनोरंजन करने वाला मत समझिए। आर्टिस्ट साधक होते हैं, वो अपने मन के होते हैं।'

सत्य शिला
हिन्दी साप्ताहिक
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, प्रबंधक जैनेन्द्र कुमार पाठक द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस 20ए शिवाजीमार्ग हुसैनगंज लखनऊ से मुद्रित कराकर 64 विजय नगर सेक्टर–बी नीलमथा लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक
इन्द्रेश कुमार पाठक
प्रबंध संपादक
जितेंद्र कुमार सैनी
सह सम्पादक
प्रेम नारायण दुबे
कृष्ण कुमार
एड0कमलेन्द्र पाल
एड0 रवि वर्मा
अशोक कुमार शर्मा
श्रीवन्त तिवारी
मक्की अशरफ
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, प्रबंधक
जैनेन्द्र कुमार पाठक
मो0. 8765879888
संरक्षक
अनिल त्रिपाठी
(वरिष्ठ पत्रकार)
राघवेन्द्र मिश्रा
(वरिष्ठ समाजसेवी)
अजय त्रिवेदी
(वरिष्ठ समाजसेवी)
EMail ID -
satyashilalko@gmail.com
समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।